वर्ष : 34 | अंक : 220 | मुंबई, शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

भारत में सिविल इंजीनियरिंग का संकट

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

एजेंसी । मुंबई/नई दिल्ली

मुंबई के कल्याण में बने पलावा फ्लाईओवर को उद्घाटन के केवल सात दिन बाद ही ट्रैफिक के लिए बंद करना पड़ा। सात साल की मेहनत के बाद तैयार हुआ यह पुल सड़क किनारे गिट्टी, बुलडोज़र और जेसीबी के बीच फिर से निर्माण कार्य के लिए खुल गया। नई डामर बिछाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पलावा फ्लाईओवर भारत के अधूरे या गलत तरीके से बने इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की लंबी सूची में शामिल हो गया। देश में कई पुल तीखे मोड़ों के साथ बने, कुछ गिर चुके हैं, और कई हाईवे अधूरे हैं।

मुंबई से बिहार तक पुलों और सड़कों की हालत ने बढ़ाई चिंता

मुंबई में सिविल इंजीनियरिंग की चुनौतियां

मुंबई में अरबों डॉलर खर्च होने के बावजूद इंफ्रास्ट्रक्चर की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। अंधेरी का गोखले ब्रिज और अटल सेतु जैसी परियोजनाओं में भी पैचवर्क और गलत एलाइनमेंट जैसी समस्याएं सामने आई हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी, गुणवत्ता में कमी

भारत में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 2024-25 में 3.1 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत खर्च किया, लेकिन तेजी से बनने वाले प्रोजेक्ट्स में गुणवत्ता सुधार अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंचा।

सिविल इंजीनियरिंग में गिरती रुचि

ऑल इंडिया सर्वे ऑफ हायर एजुकेशन के आंकड़े बताते हैं कि 2016-17 में 6.3 लाख छात्र सिविल इंजीनियरिंग में थे, जो 2021 तक घटकर 4.89 लाख रह गए। यह अन्य शाखाओं की तुलना में सबसे बड़ी गिरावट है।

एल-1 कॉन्ट्रैक्ट का प्रभाव

सरकारी एजेंसियों द्वारा एल-1 कॉन्ट्रैक्ट प्रणाली (सबसे कम बोली देने वाले को काम देना) के कारण गुणवत्ता प्रभावित होती है। तकनीकी योग्यता के बावजूद काम सबसे कम बोली लगाने वाले को दिया जाता है, जिससे मटेरियल और निर्माण में कटौती होती है।

देरी और अधूरी परियोजनाएं

लगभग 580 हाइवे प्रोजेक्ट्स देरी का सामना कर रहे हैं। अधिकांश देरी जमीन अधिग्रहण और तकनीकी मुद्दों के कारण है। सिविल इंजीनियरों की योग्यता और कार्य परिस्थितियां भी सवालों के घेरे में हैं।

हाइवे निर्माण की चुनौतियां

सीआरआरआई के डायरेक्टर मनोरंजन परिडा के अनुसार, हाइवे निर्माण की तेज़ी से मटेरियल की गुणवत्ता और विशेषज्ञता मांग के अनुसार मेल नहीं खा रही। डिमांड और सप्लाई में बड़ा गैप है।

अन्य प्रोजेक्ट्स में भी गड़बड़ियां

अंधेरी का गोखले ब्रिज, अटल सेतु, विक्रोली फ्लाईओवर और कोस्टल रोड प्रोजेक्ट में भी क्वालिटी और एलाइनमेंट समस्याएं सामने आई हैं। मुनाफे के लिए क्वालिटी का समझौता सामान्य बन गया है।

सरकारी निकायों और बिड प्रक्रिया की भूमिका

एमएसआरडीसी और अन्य सरकारी निकायों में सुपरविजन कंसल्टेंट्स, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट्स और अथॉरिटी इंजीनियर्स की नियुक्ति होती है। बिड प्रक्रिया और पीपीपी मॉडल में भी सुधार की जरूरत है, ताकि भविष्य में गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

खबर संक्षेप

अचानक बदला मौसम !

मुंबई। कई दिनों से चल रहे शुष्क और उमसभरे मौसम के बाद 16 अक्टूबर की शाम को मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई के कई हिस्सों में भारी बारिश देखने को मिली। इस बारिश ने क्षेत्रवासियों को गर्मी और उमस से बड़ी राहत दी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) पहले ही नवी मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और रत्नागिरी जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी कर चुका था। अलर्ट में गरज के साथ बिजली गिरने, हल्की से मध्यम बारिश, और कुछ क्षेत्रों में 30-40 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना जताई गई थी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के दक्षिणी छोर पर एक निम्न दबाव प्रणाली बन रही है, जो उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रही है। इसके चलते आने वाले कुछ दिनों में मुंबई, पुणे और पश्चिमी महाराष्ट्र के अन्य क्षेत्रों में वायुमंडलीय नमी बढ़ने की संभावना है। मुलुंड, ठाणे और पवई इलाके के लोगों ने शाम के समय तेज़ बारिश और गरज की जानकारी साझा की। सोशल मीडिया पर लोगों ने अपने क्षेत्रों की बारिश की तस्वीरें और वीडियो साझा किए और तेज़ हवाओं और उमस से राहत मिलने पर खुशी जताई।

कोचीन शिपयार्ड शनिवार को तीन अत्याधुनिक पोत करेगा लॉन्च

कोच्चि। सार्वजनिक क्षेत्र के जहाज निर्माण उपक्रम कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड शनिवार कोशनिवार को भारतीय नौसेना के लिए एक पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले जल पोत (एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी) सहित तकनीकी रूप से उन्नत दो पोतों का जलावतरण करेगा। जिन अन्य जहाजों का शुभारंभ किया जाएगा उनमें हाइब्रिड इलेक्ट्रिक मेथनॉल-रेडी कमीशनिंग सर्विस ऑपरेशन वेसल (सीएसओवी) और भारत का सबसे बड़ा ट्रेलर सक्शन हॉपर ड्रेजर, डीसीआई ड्रेज गोदावरी शामिल हैं। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने कहा कि यह ट्रिपल लॉन्च उसके नौसैनिक, वाणिज्यिक और ग्रीन मरीटाइम क्षेत्रों में नेतृत्व को दर्शाता है। ये पोत भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, आत्मनिर्भरता और सतत समुद्री विकास के प्रति प्रतिबद्धता को 'मैरिटाइम इंडिया विजन 2030' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों के तहत प्रदर्शित करेंगे।

बीएमसी, ठाणे और नवी मुंबई मनपा कर्मियों की बल्ले-बल्ले

डीसीएम एकनाथ शिंदे ने किया दिवाली बोनस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की तीन महानगरपालिका कर्मियों के बोनस का ऐलान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया है। करीब 75 हजार करोड़ रुपये के बजट वाली मुंबई महानगरपालिका के कर्मियों से ज्यादा बोनस नवी मुंबई कर्मचारियों को मिलेगा। बीएमसी कर्मी को 31,000 रुपये बोनस मिलेगा, जबकि नवी मुंबई महानगरपालिका कर्मियों को 34,500 रुपये दिए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री शिंदे के ठाणे मनपा कर्मी को 24,500 रुपये बोनस मिलेगा।

पिछली बार कितना मिला था बोनस?

मुंबई महानगरपालिका कर्मचारियों को पिछले साल दिवाली में 29 हजार रुपये बोनस मिला था। इस साल 31,000 रुपये दिया जाएगा। इससे बीएमसी की तिजोरी पर 285 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। मुंबई महानगरपालिका के अंतर्गत आने वाले अधिकारी, कर्मचारी, अनुदान प्राप्त निजी प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक- गैर-शिक्षक कर्मचारी, महानगरपालिका प्राथमिक विद्यालयों तथा अनुदान प्राप्त निजी प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षण सेवक, माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक- गैर-शिक्षक कर्मचारी (अनुदानित/बिना अनुदान), माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षण सेवक, अध्यापक विद्यालयों के अधिव्याख्याता- गैर-शिक्षक कर्मचारी, अध्यापक विद्यालयों के पूर्णकालिक शिक्षा सेवकों को यह 31,000 रुपये का दिवाली बोनस मिलेगा।

ठाणे मनपा कर्मचारियों को 24,500 रुपए का बोनस

ठाणे मनपा कर्मचारियों को 24,500 रुपये का बोनस दिया जाएगा। पिछले साल ठाणे मनपा के कर्मचारियों को दिवाली के अवसर पर 24,000 रुपये मिला था। बोनस का लाभ ठाणे महानगरपालिका के 6,059 कर्मचारी, शिक्षा विभाग के 774 कर्मचारी, परिवहन विभाग के 1,400 स्थायी कर्मचारी, महानगरपालिका के प्रत्यक्ष अनुबंधित कर्मचारी और अन्य 988 कर्मचारियों को मिलेगा। - पेज 2 भी देखें

नवी मुंबई मनपा कर्मचारियों को 34,500 रुपए का बोनस

नवी मुंबई महानगरपालिका के कर्मचारियों को दिवाली के अवसर पर 34,500 रुपये का बोनस दिया जाएगा। मनपा के ठेका, मानधन या न्यूनतम वेतन आधारित अस्थायी/संविदा कर्मचारी, दैनिक वेतनभोगी आरोग्य सेवक, तथा मानधन आधारित बालवाड़ी शिक्षक और सहायिका को 28,500 का बोनस मिलेगा।

मुंबई का रियल लाइफ 'रैंचो'

लोकल में नवजात का जन्म

मुंबई। एक अनोखी और इंसानियत की परिभाषा को सही साबित करने वाली घटना घटित हुई, जहां एक चलती लोकल ट्रेन में एक गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा होने लगी, लेकिन विकास बेदरे नाम के युवक की सतर्कता और हिम्मत से समय रहते बच्चे का जन्म हो गया। यह घटना राम मंदिर स्टेशन के पास मंगलवार देर रात करीब एक बजे हुई।

बता दें कि पेशे से वीडियो कैमरामैन विकाश लोकल ट्रेन में सफर कर रहे थे, जब उन्होंने पास के डिब्बे में एक महिला को तेज दर्द में देखा। उन्होंने तुरंत ट्रेन की इमरजेंसी चेन खींचकर उसे रोका। एक प्रत्यक्षदर्शी मंजीत ढिल्लों ने इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया कि महिला की हालत बहुत गंभीर थी, बच्चा आधा बाहर आ चुका था।

महाविकास आघाड़ी में शामिल नहीं होगी मनसे

अब तक कोई प्रस्ताव नहीं मिला: सपकाल

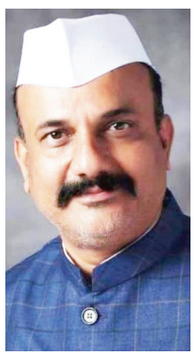

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने स्पष्ट किया है कि महाविकास आघाड़ी (एमवीए) में मनसे के शामिल होने पर कोई सवाल ही नहीं उठता। उनके अनुसार, मनसे की ओर से ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं आया है, इसलिए इस विषय पर चर्चा करना ही व्यर्थ है। सपकाल ने यह भी बताया कि यदि इंडिया गठबंधन में किसी नए दल को शामिल करना हो, तो इसका निर्णय गठबंधन के सभी घटक दल मिलकर करेंगे।

चुनाव आयोग प्रतिनिधिमंडल में शामिल न होने की सफाई

सपकाल ने सफाई दी कि चुनाव आयोग से मिलने वाले कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल में उनके शामिल न होने का कारण उनकी दिल्ली यात्रा थी। 13 अक्टूबर को कांग्रेस पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में प्रतिनिधिमंडल में बालासाहेब थोरात, विजय वडेट्टीवार और वर्षा गायकवाड़ को शामिल किया गया था। उसी दिन सपकाल पहले से तय बैठक के कारण दिल्ली गए थे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी, मतदाता सूची में गलतियां और वोट चोरी जैसे मुद्दे बेहद महत्वपूर्ण हैं।

500 मंदिरों, 60 संरक्षित किलों और 1800 जलस्रोतों का होगा संवर्धन

- सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने दिए निर्देश
- निधि जुटाने पीपीपी मॉडल का होगा विचार
- नाशिक और पुणे में डेस्टिनेशन मैनेजमेंट ऑर्गेनाइजेशन

मुंबई। प्रदेश में लगभग 500 मंदिरों, 60 राज्य संरक्षित किलों और 1800 जलस्रोतों के संवर्धन के लिए एक विस्तृत प्रारूप तैयार किया जाएगा। इस प्रारूप में इन स्थलों के जतन, संरक्षण और पर्यटक संख्या बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। सरकार के मित्र संस्था के साथ पुरातत्व विभाग इस कार्य में नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगा। सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने गुरुवार को मंत्रालय में राज्य के मंदिरों, किलों और ऐतिहासिक इमारतों के संवर्धन को लेकर बैठक की। बैठक में मित्र संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रवीण परदेशी और सांस्कृतिक विभाग के सचिव किरण कुलकर्णी समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

परियोजना कार्यान्वयन इकाई बनाई जाएगी

संवर्धन के काम के लिए परियोजना कार्यान्वयन इकाई (पीआईयू) बनाई जाएगी। इसके तहत चार नए अधिकारी ठेके पर नियुक्त किए जाएंगे। शेलार ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो निजी भागीदारी के लिए अलग नीति तैयार की जाए और निधि जुटाने के लिए विश्व बैंक समेत अन्य विकल्पों का अध्ययन किया जाए। शेलार ने बताया कि नाशिक, पुणे और छत्रपति संभाजी नगर में ऐतिहासिक इमारतों के संवर्धन और सांस्कृतिक प्रचार-प्रसार के लिए डेस्टिनेशन मैनेजमेंट ऑर्गेनाइजेशन निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसमें जिले के ऐतिहासिक स्थलों, मंदिरों और किलों का एकात्मिक विस्तृत प्रारूप तैयार किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग के साथ चर्चा करके मार्च 2026 तक पहले चरण में 5 मंदिर, 5 किले और 5 जलस्रोतों के लिए डेस्टिनेशन मैनेजमेंट शुरू किया जाएगा।

महिला डॉक्टर ने बच्चों के लिए 8 साल तक लड़ी लड़ाई

फूड प्रोडक्ट्स पर ओआरएस लिखने वालों की खैर नहीं

- फूड-ड्रिंक प्रोडक्ट पर ओआरएस लिखना बैन
- अब डब्ल्यूएचो की मंजूरी जरूरी

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने एक अहम निर्णय लेते हुए किसी भी खाद्य उत्पाद — जैसे फ्रूट-बेस्ड ड्रिंक या रेडी-टू-ड्रिंक बेवरेज — के नाम, ब्रांड या लेबल में 'ORS' शब्द के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। प्राधिकरण का कहना है कि यह शब्द उपभोक्ताओं को गुमराह करता है और उन्हें यह गलत धारणा देता है कि वे मेडिकल Oral Rehydration Solution (ORS) खरीद रहे हैं। अब इस नियम का उल्लंघन करने वाले उत्पादों को "मिसब्रांडेड" और "मिसलीडिंग" माना जाएगा, जिस पर जुर्माना और कानूनी कार्रवाई होगी।

पुराने आदेश हुए रद्द, अब कोई छूट नहीं

FSSAI के नए आदेश ने पहले के दो निर्देशों — 14 जुलाई 2022 और 2 फरवरी 2024 के — को रद्द कर दिया है। इन पुराने आदेशों के तहत कुछ कंपनियों को विशेष शर्तों के साथ अपने ब्रांड नाम में 'ORS' शब्द का उपयोग करने की अनुमति थी। हालांकि उन्हें यह चेतावनी लेबल पर लिखनी पड़ती थी कि "यह उत्पाद WHO द्वारा अनुशंसित ORS फॉर्मूला नहीं है।" अब यह सभी रियायतें समाप्त कर दी गई हैं और 'ORS' शब्द का किसी भी रूप में उपयोग पूरी तरह वर्जित होगा।

क्यों लगाया गया 'ORS' शब्द पर बैन?

FSSAI ने स्पष्ट किया है कि किसी भी फूड प्रोडक्ट के नाम, ब्रांड या लेबल पर 'ORS' शब्द का इस्तेमाल — चाहे वह किसी प्रिफिक्स या सफिक्स के साथ क्यों न हो — फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट 2006 और उससे जुड़े नियमों का सीधा उल्लंघन है। प्राधिकरण का कहना है कि ऐसे ब्रांड नाम उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं और झूठी जानकारी देते हैं। कई उपभोक्ता यह समझते हैं कि वे चिकित्सा उपयोग वाला ORS खरीद रहे हैं, जबकि वास्तव में वह केवल एक सामान्य पेय होता है।

नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई

जो भी कंपनियां इस आदेश का उल्लंघन करेंगी, उनके उत्पादों को 'मिसब्रांडेड' और 'मिसलीडिंग' घोषित किया जाएगा।

इसके लिए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट 2006 की धारा 52 और 53 के तहत जुर्माना और सज़ा दोनों का प्रावधान है। यानी, दोषी कंपनियों पर आर्थिक दंड और कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

भ्रामक विज्ञापनों पर निगरानी जारी रहेगी

FSSAI ने यह भी स्पष्ट किया है कि भले ही पुराने आदेश रद्द किए जा चुके हैं, लेकिन 8 अप्रैल 2022 को जारी की गई धारा 16(5) के तहत की गई गाइडलाइन प्रभावी रहेगी। यह गाइडलाइन ORS जैसे विकल्प उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों और झूठे दावों पर रोक लगाने से संबंधित है। प्राधिकरण ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खाद्य आयुक्तों को आदेश दिया है कि वे इस निर्देश को सख्ती से लागू करें।

मानवीय त्रासदी | 2022 में 64,469 केस दर्ज हुए, 90 प्रतिशत मामलों में सजा

भारत में बच्चों के खिलाफ यौन अपराध 94% बढ़े

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत में बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चाइल्डलाइट ग्लोबल चाइल्ड सेफ्टी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट 'इंटू द लाइट इंडेक्स 2025' के मुताबिक, 2017 से 2022 के बीच प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड अगेंस्ट सेक्शुअल ऑफेंस (POCSO) एक्ट के तहत दर्ज मामलों में 94 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2017 में ऐसे 33,210 मामले दर्ज हुए थे, जो 2022 में बढ़कर 64,469 तक पहुंच गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि भले ही अपराधों के आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन सजा की दर 90 प्रतिशत से अधिक बनी हुई है, जो मजबूत कानूनी कार्रवाई और प्रभावी रिपोर्टिंग प्रणाली का संकेत देती है। रिपोर्ट ने इसे वैश्विक स्तर पर "मानवता की बड़ी त्रासदी" बताया है और कहा कि अपराध आंकड़ों में पारदर्शिता से निगरानी और त्वरित कार्रवाई आसान होती है।

भारत, नेपाल और श्रीलंका में हर आठ में से एक बच्चा शोषण का शिकार

रिपोर्ट के अनुसार, भारत, नेपाल और श्रीलंका में किए गए सर्वे में यह पाया गया कि हर आठ में से एक बच्चा 18 वर्ष की उम्र से पहले यौन उत्पीड़न या बलात्कार का शिकार होता है। इन तीन देशों में लगभग 5.4 करोड़ बच्चे प्रभावित हैं, जो कुल बाल जनसंख्या का करीब 12.5 प्रतिशत है।

2024 में दर्ज हुए 2.25 मिलियन मामले

दक्षिण एशिया में चाइल्ड सेक्शुअल एब्यूज मटेरियल (CSAM) से संबंधित अधिकांश मामले भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान से रिपोर्ट हुए। अकेले भारत में 2024 में 2.25 मिलियन मामले दर्ज किए गए।

2012 में लागू हुआ था POCSO कानून

बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा देने के लिए भारत में POCSO कानून 2012 में लागू किया गया था। 2017 में जहां 33,210 मामले दर्ज हुए थे, वहीं 2022 तक यह संख्या दोगुने से भी अधिक हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि मामलों की रिपोर्टिंग बढ़ने का अर्थ यह है कि अब लोग चुप नहीं रहते, लेकिन वास्तविक घटनाओं की संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है।

AI के गलत इस्तेमाल पर गंभीर चेतावनी

रिपोर्ट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के दुरुपयोग को लेकर चेतावनी दी है। 2023 से 2024 के बीच AI से तैयार किए गए CSAM मामलों में 1,325 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया कि बड़ी टेक कंपनियों द्वारा बिना सुरक्षा के एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन जैसे फैसले अपराधों का पता लगाना कठिन बना रहे हैं। चाइल्डलाइट के सीईओ पॉल स्टैनफील्ड ने कहा, "हर आंकड़े के पीछे एक बच्चा है, जिसकी सुरक्षा, गरिमा और भविष्य छीन लिया गया है।" रिपोर्ट में सभी देशों से आग्रह किया गया है कि बच्चों के यौन शोषण को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल की तरह माना जाए।

NCRB: बच्चों के प्रति अपराध की दर 39.9 प्रतिशत

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में बच्चों के खिलाफ अपराधों की दर बढ़कर 39.9 प्रति एक लाख बाल जनसंख्या हो गई, जो 2022 में 36.6 थी। इनमें सबसे अधिक मामले अपहरण (79,884 — 45%) और POCSO एक्ट के तहत अपराध (67,694 — 38.2%) के रहे।

चौंकाने वाली बात यह है कि अधिकांश अपराधी पीड़ित के परिचित ही थे — कुल 40,434 मामलों में 39,076 आरोपियों का पीड़ित से व्यक्तिगत संबंध था, जिनमें से 3,224 परिवार के सदस्य, 15,146 रिश्तेदार और 20,706 मित्र या परिचित शामिल थे।

अवैध पटाखा विक्रेताओं की लगेगी 'लंका'

मनपा एवं पुलिस प्रशासन हुआ सख्त

विनय दूबे । भाईंदर

मीरा-भाईंदर शहर में अवैध स्टॉल लगाकर पटाखा बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई को लेकर मीरा-भाईंदर-वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस कमिश्नर निकेत कौशिक ने सख्त रुख अपनाया और मीरा-भाईंदर मनपा आयुक्त को पत्र लिखकर सूचित किया। पत्र में स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि पटाखों के विक्रय एवं भंडारण हेतु विस्फोटक अधिनियम 1884 और विस्फोटक नियम 2008 के प्रावधानों के तहत ही बिक्री की अनुमति दी जाए। ज्वलनशील एवं विस्फोटक पटाखों के स्टॉल को लाइसेंस प्रदान करने से पहले दुकानों पर आग लगने से

विभिन्न स्थानों पर हुई दुर्घटनाओं और माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जनहित में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। नियमों का पालन न करने वाले पटाखा विक्रेताओं की दुकानों के लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षित दिवाली के लिए विशेष बैठक

दिवाली के दौरान शहर में आगजनी जैसी गंभीर घटनाओं को रोकने के लिए, नियमों के दायरे में पटाखों की सुचारू बिक्री सुनिश्चित करना आवश्यक है। मीरा-भाईंदर मनपा मुख्यालय में आयोजित अहम बैठक में आयुक्त/प्रशासक राधा बिनोद शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पटाखों की बिक्री के लिए प्राप्त आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई की जाए और सभी आवश्यक परमिट जारी किए जाएँ।

पटाखा बिक्री के लिए 29 स्थानों का चयन

गौरतलब है कि सार्वजनिक मैदानों और खुले स्थानों में ही पटाखा विक्रय की अनुमति है। मनपा क्षेत्र में कुल 29 स्थानों का चयन किया गया है। नियमों का उल्लंघन कर निर्धारित स्थान के अलावा अन्यत्र स्टाल लगाने वालों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई करने के निर्देश एमबीएमसी और एमबीवीवी पुलिस के संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

जिम्मेदार अधिकारियों पर होगी कानूनी कार्रवाई

नागरिकों की सुरक्षा और आग से बचाव के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। प्रशासन ने स्पष्ट कहा है कि यदि अनधिकृत रूप से पटाखा स्टॉल लगाने के कारण आगजनी की कोई घटना घटित होती है, तो स्थानीय पुलिस स्टेशन अधिकारी, संबंधित वार्ड अधिकारी और मुख्य अग्निशमन अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त का दिवाली का संदेश

आयुक्त/प्रशासक राधा बिनोद शर्मा ने कहा कि दिवाली खुशियों और आनंद का पर्व है, जो हमें जीवन के सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करता है। पिछले कई वर्षों से पटाखों की बिक्री त्योहार का एक हिस्सा बन गई है, लेकिन जनहित की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए मनपा और पुलिस प्रशासन संयुक्त रूप से सुरक्षित दिवाली सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत हैं। प्रशासन दिवाली के दौरान पटाखों की बिक्री से संबंधित सभी नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उक्त बैठक में पुलिस उपायुक्त (जोन-1) राहुल चव्हाण, एमबीएमसी उपायुक्त (मुख्यालय) कल्पिता पिंपले, शहर अभियंता दीपक खांबीत सहित अन्य आला अधिकारी उपस्थित थे।

राशन रोकने वाले दुकानदार पर मामला दर्ज, लाइसेंस रद्द

ओपी यादव । पालघर

पालघर तालुका के चहाडे गांव में आदिवासी कातकरी समाज के लोगों का 'अन्न का अधिकार' छीनने वाले राशन दुकानदार के खिलाफ श्रमजीवी संगठन के हस्तक्षेप के बाद आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। साथ ही संबंधित दुकानदार का लाइसेंस भी रद्द कर दिया गया है। चहाडे कातकरी पाड़ा निवासी राम शांताराम गरेल, जो दिव्यांग हैं, उनकी शिधा पत्रिका (राशन कार्ड) पर ऑनलाइन पावती निकलने के बावजूद दुकानदार ने उन्हें राशन नहीं दिया। इतना ही नहीं, लगभग 15 अन्य कार्डधारकों को भी ऑनलाइन रसीद देने के बावजूद धान्य (अनाज) नहीं दिया गया।

कातकरी समाज को मिला 'अन्न का अधिकार'

श्रमजीवी संगठन के सतत प्रयासों के बाद आखिरकार आदिवासी कातकरी परिवारों को उनका एक वर्ष से रुका हुआ राशन प्राप्त हुआ। संगठन ने इस कार्रवाई को 'अन्न के अधिकार की जीत' बताया और कहा कि भविष्य में भी ऐसे अन्याय के खिलाफ संगठन लड़ाई जारी रखेगा।

श्रमजीवी संगठन ने उठाई आवाज

यह गंभीर मामला सामने आने के बाद श्रमजीवी संगठन ने तुरंत कार्रवाई की। जिलाध्यक्ष सुरेश रेंजड के मार्गदर्शन में तालुका अध्यक्ष उल्हास पाटील, सचिव हीना वनगा, पूर्व अध्यक्ष एड. राजेश राऊत, शंकर वरखंडे, सुदाम धिंडा, प्रमिला पवार, कैलास त्रिवेदी, महेंद्र पाटील और मनोज कवळी आदि कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार रमेश शेंडगे के कार्यालय में जाकर पुरवठा अधिकारी विजय बच्चे से जवाब मांगा। तहसीलदार रमेश शेंडगे ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए। इसके बाद राशन दुकानदार के खिलाफ अपराध दर्ज करने और उसका लाइसेंस रद्द करने के निर्देश जारी किए गए। देर रात करीब साढ़े बारह बजे श्रमजीवी संगठन की पहल पर मामला दर्ज किया गया और दुकानदार का लाइसेंस रद्द कर दिया गया।

मुंबई पुलिस ने 80 करोड़ के ड्रग्स और कोडीन-बोतलें नष्ट कीं

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/रायगढ़

महाराष्ट्र की मुंबई अपराध शाखा के मादक द्रव्य निरोधक प्रकोष्ठ (एएनसी) ने गुरुवार को रायगढ़ में 80.56 करोड़ रुपए मूल्य के 162 किलोग्राम नशीले पदार्थ और 7,908 कोडीन-मिश्रित बोतलें नष्ट कीं। यह मादक पदार्थ मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में विभिन्न ऑपरेशनों के दौरान बरामद किए गए थे। नष्ट किए गए मादक पदार्थों में 144.31 किलोग्राम गांजा, 8.216 किलोग्राम चरस, 6.048 किलोग्राम कोकीन, 2.197 किलोग्राम एमडी, 1.679 किलोग्राम हेरोइन और 7,908 कोडीन-मिश्रित बोतलें शामिल थीं। यह कार्रवाई 2025 में दूसरी बार बड़े पैमाने पर मादक पदार्थ निपटान का प्रतीक है। इससे पहले मई में मुंबई पुलिस ने 50.30 करोड़ रुपए मूल्य के 530 किलोग्राम मादक पदार्थ और 4,433 कोडीन-मिश्रित बोतलें नष्ट की थीं। दोनों अभियानों को मिलाकर कुल 692 किलोग्राम मादक पदार्थ और 12,341 कोडीन-बोतलें नष्ट की गईं, जिनका अनुमानित बाजार मूल्य 130.86 करोड़ रुपए है।

कार्रवाई में अधिकारी और विशेषज्ञों की भूमिका

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त देवेन भारती के मार्गदर्शन में, संयुक्त पुलिस आयुक्त लखमी गौतम व सत्यनारायण चौधरी, अतिरिक्त आयुक्त शैलेश बलकावड़े, उपायुक्त नवनाथ धावले और सहायक आयुक्त सुधीर हिरदेकर की उपस्थिति में की गई। कलिना स्थित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के रासायनिक विशेषज्ञों और गोदाम के प्रभारी पुलिस निरीक्षकों ने पूरी प्रक्रिया को सही ढंग से पूरा किया।

तेलुगु स्कूल के ध्वस्तीकरण के खिलाफ आंदोलन

- मनपा मुख्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन, नई इमारत की मांग तेज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका द्वारा पद्मानगर स्थित तेलुगु माध्यमिक विद्यालय की इमारत ध्वस्त किए जाने के खिलाफ छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने गुरुवार को मनपा मुख्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि निगम प्रशासन ने इमारत को 'धोकादायक' बताकर तोड़ा और अब उसी जमीन पर पानी की टंकी, जिम और हॉल बनाने का काम शुरू कर दिया गया है, जिससे बच्चों की शिक्षा गंभीर संकट में है।

2009 में स्थापित हुआ था स्कूल

पद्मानगर तेलुगु माध्यमिक विद्यालय वर्ष 2009 में स्थापित हुआ था और इसमें कक्षा 8वीं से 10वीं तक कुल 65 विद्यार्थी पढ़ते थे। मनपा प्रशासन ने हाल ही में इमारत को असुरक्षित घोषित कर 11 अक्टूबर 2025 को ध्वस्त कर दिया। अब स्कूल को अस्थायी रूप से शाला क्रमांक 59 में स्थानांतरित किया गया है, जहां पहले से तीन अन्य स्कूल संचालित हैं। सीमित भवन में माध्यमिक कक्षाओं को चलाना शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए चुनौती बन गया है।

प्रतिनिधिमंडल की मनपा से मुलाकात और चेतावनी

आंदोलनकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भिवंडी महानगरपालिका आयुक्त से मुलाकात कर स्कूल ध्वस्तीकरण का निर्णय रद्द करने और नई इमारत उपलब्ध कराने की मांग की। छात्रों और अभिभावकों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो यह आंदोलन शहरव्यापी स्तर पर तेज किया जाएगा। आंदोलनकारी ने कहा कि यह सिर्फ तेलुगु समाज का नहीं, बल्कि हर अभिभावक का मुद्दा है।

अभिभावकों की नाराजगी और आरोप

प्रदर्शन कर रहे अभिभावकों ने कहा कि मनपा ने 'धोकादायक इमारत' का बहाना बनाकर बच्चों की शिक्षा छीन ली। उनका आरोप है कि स्कूल की जमीन शिक्षा विभाग के लिए आरक्षित थी, फिर भी वहां जिम और पानी की टंकी का निर्माण शुरू कर दिया गया। एक अभिभावक ने चेतावनी दी कि जब तक नई स्कूल इमारत नहीं मिलती, वे पीछे नहीं हटेंगे।

समाजसेवी और नेताओं का समर्थन

आंदोलन में कई समाजसेवी और स्थानीय नेता भी शामिल हुए। पूर्व सभापति सुमित पाटिल ने कहा कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भिवंडी बार काउंसिल अध्यक्ष एडवोकेट किरण चिन्ने ने कहा कि आरक्षित जमीन पर अन्य निर्माण कानूनी रूप से चुनौती दी जा सकती है और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

ठाणे मनपा कर्मचारियों को 24,500 रुपए का अनुग्रह अनुदान

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का निर्णय

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे महानगरपालिका आयुक्त सौरभ राव को निर्देश दिया है कि इस वर्ष दिवाली के अवसर पर मनपा कर्मचारियों को 24,500 रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान की जाए। इस निर्णय से मनपा के 9,221 कर्मचारियों की दिवाली और अधिक खुशहाल होगी। पिछले वर्ष मनपा कर्मचारियों को दिवाली पर 24,000 रुपए का अनुग्रह अनुदान दिया गया था। इस बार राशि में 500 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। यह अनुदान कर्मचारियों के बैंक खातों में सीधे जमा कराया जाएगा। अनुग्रह अनुदान की घोषणा के बाद मनपा कर्मचारियों में खुशी की लहर है। सभी कर्मचारियों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह निर्णय उनके त्योहार के आनंद को दोगुना कर देगा। शिंदे ने कहा कि मनपा कर्मचारी पूरे वर्ष शहर की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए, उनके योगदान के सम्मान में यह अनुदान प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

23 करोड़ की अतिरिक्त देनदारी

इस निर्णय से ठाणे मनपा पर लगभग 23 करोड़ रुपए की अतिरिक्त वित्तीय देनदारी आएगी। यह अनुदान मनपा के 6059 कर्मचारियों, शिक्षा विभाग के 774 कर्मचारियों, परिवहन विभाग के 1400 स्थायी एवं संविदा कर्मचारियों और 988 अन्य कर्मचारियों को दिया जाएगा।

पत्नी की हत्या करने वालों को आजीवन कारावास

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे की अदालत ने वर्ष 2020 में अपनी पत्नी लक्ष्मी मेघजी की बेरहमी से हत्या करने वाले 29 वर्षीय आकाश मेघजी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपी पर 10,000 का जुर्माना भी लगाया गया। मामले की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वी. जी. मोहिते की अदालत में हुई, जहां अभियोजन पक्ष ने 13 गवाहों के माध्यम से हत्या के ठोस सबूत प्रस्तुत किए।

जानकारी के अनुसार, आकाश और लक्ष्मी की शादी अक्टूबर 2018 में हुई थी। शुरू में उनके संबंध सामान्य थे, लेकिन बाद में घरेलू विवाद और आपसी विश्वास की कमी ने रिश्ते को तनावपूर्ण बना दिया। अतिरिक्त लोक अभियोजक रश्मि क्षीरसागर ने बताया कि आकाश अक्सर लक्ष्मी को मानसिक रूप से प्रताड़ित करता और उसके चरित्र पर शक करता था।घटना नवंबर 2020 में ठाणे के कलवा इलाके में उनके घर पर हुई। विवाद के दौरान लक्ष्मी ने पेट्रोल के पैसे देने से मना किया, जिससे आकाश गुस्से में आ गया। इसके बाद उसने पहले प्रेशर कुकर के ढक्कन से लक्ष्मी के सिर पर हमला किया, फिर छोटे चाकू से उसका गला रेत दिया और अंत में थिनर डालकर आग लगा दी।

40 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए वायरमैन गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । पालघर

पालघर जिले के मीरा भाईंदर वसई- विरार पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में 45 वर्षीय महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी (MSEDCL) के वायरमैन राजेश रामप्रसाद सरोज को पालघर भ्रष्टाचार प्रतिबंधक विभाग ने 16 अक्टूबर 2025 को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। 49 वर्षीय शिकायतकर्ता बढ़ई ने बताया कि 2 अक्टूबर को उनके

घर का बिजली कनेक्शन समय पर बिल न भरने के कारण काट दिया गया था। 10 अक्टूबर को बिजली पुनः जोड़ने के लिए संपर्क करने पर वायरमैन ने 60,000 रुपए की मांग की। शिकायतकर्ता ने 12 अक्टूबर को पालघर ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी। ब्यूरो ने 13 अक्टूबर को की गई जांच में आरोप सही पाया। इसके बाद शिकायतकर्ता ने पुनः संपर्क किया और वायरमैन ने रिश्वत की राशि घटाकर 40,000 रुपए लेने पर सहमति जताई। 16 अक्टूबर को जब वायरमैन 40,000 रुपए लेते हुए पकड़ा गया, पालघर एंटी करप्शन ब्यूरो ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद स्थानीय पुलिस स्टेशन में रिश्वत लेने का मामला दर्ज किया गया।

रोड रेज अपहरण मामला

निलंबित पूजा खेडकर के पिता को मिली अग्रिम जमानत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने रोड रेज अपहरण मामले में निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर को अग्रिम जमानत दे दी है। अदालत ने उन्हें पीड़िता को 4 लाख रुपए का मुआवजा और पुलिस कल्याण कोष में 1 लाख रुपए का अतिरिक्त भुगतान करने का निर्देश भी दिया। न्यायमूर्ति एन.आर. बोरकर की एकल पीठ ने अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई की। सरकारी वकील रंजना हुंबाने ने खेडकर की अग्रिम जमानत का विरोध किया और हिरासत में प्रहलाद कुमार को लगी चोटों का हवाला दिया। अभियोजन की आपत्तियों और अपराध की गंभीरता के बावजूद पीठ ने खेडकर को अग्रिम जमानत मंजूर कर दी। अदालत ने खेडकर को 5 लाख रुपए की वित्तीय शर्तें पूरी करने का निर्देश दिया। उन्हें पीड़िता को 4 लाख रुपए और पुलिस कल्याण कोष में 1 लाख रुपए का भुगतान करना होगा। यह राशि गिरफ्तारी पूर्व जमानत की शर्त के रूप में चुकानी होगी।

मामला क्या है?

इस साल सितंबर में व्यवसायी विलास ढेंगारे की शिकायत पर खेडकर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस के अनुसार, मुलुंड-ऐरोली रोड पर खेडकर की कार और ढेंगारे का ट्रांजिट मिक्सर ट्रक टकरा गया। ट्रक पर मौजूद हेल्पर प्रहलाद कुमार को कथित तौर पर कार में बैठा लिया गया और पुलिस स्टेशन ले जाने की धमकी दी गई। बाद में पुलिस ने खेडकर के घर से प्रहलाद कुमार को बरामद किया।

खेडकर के वकील का पक्ष

वकील अशोक मुंदरगी ने कहा कि कार का निरीक्षण और नुकसान का आकलन करने के बाद खेडकर और ट्रक चालक मैकेनिक से मूल्यांकन करने पर सहमत हुए थे। ट्रक चालक ने कथित तौर पर हेल्पर को अपने साथ ले जाने को कहा था। वकील ने कहा कि बंधक बनाने का आरोप काल्पनिक था और कोई सबूत नहीं था। सेशन कोर्ट ने इससे पहले खेडकर को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था।

मुंबई मेट्रो में दिव्यांगों के लिए टिकट छूट लागू करने की मांग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई में बीईएसटी बस सेवा और उपनगरीय रेलवे की तरह, मुंबई मेट्रो में भी दिव्यांग यात्रियों के लिए टिकट दरों में छूट लागू की जानी चाहिए। इस मांग को पत्रकार दीपक कैतके ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र के माध्यम से भेजा है। पत्र में कैतके ने बताया कि मुंबई की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में बीईएसटी बस में दिव्यांग यात्रियों को 100 प्रतिशत छूट मिलती है। इसके अलावा, मेट्रो 7 और मेट्रो 2A मार्गों पर 25 प्रतिशत छूट दी जाती है। लेकिन, मुंबई मेट्रो 3 मार्ग पर अभी तक कोई छूट नहीं है, जिससे दिव्यांगों को अतिरिक्त खर्च वहन करना पड़ रहा है।

एक ही शहर में विभिन्न सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में दिव्यांग यात्रियों के लिए टिकट दरों

में असमानता उत्पन्न हो रही है। RPwD Act 2016 और UNCRPD समझौते के अनुसार, दिव्यांगों को सार्वजनिक परिवहन में छूट देने की सरकार की जिम्मेदारी है।

इसलिए, कैतके ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि अन्य सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं की तरह, मेट्रो में भी तत्काल टिकट दरों में छूट लागू की जाए और सभी मार्गों पर समान दर सुनिश्चित की जाए।

आशा वर्करों का भिवंडी-निजामपुर मनपा के खिलाफ तीव्र आंदोलन

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

दिवाली के अवसर पर भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका क्षेत्र की आशा वर्कर महिलाएं अपने मानधन और भत्ते की मांग को लेकर सड़क पर उतर आईं। पिछले चार-पाँच महीनों से वेतन न मिलने और दिवाली बोनस रोके जाने के विरोध में आशा वर्करों ने मनपा प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और कहा कि लगातार सेवा देने के बावजूद उन्हें उचित सम्मान नहीं मिल रहा। आशा वर्करों ने बताया कि वे दिन-रात जनता की सेवा में लगी रहती हैं — गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी हो या बीमार मरीजों की सहायता। आधी रात को भी कॉल आने पर सेवा में पहुंचना उनका सामान्य काम है। उन्होंने कहा कि त्यौहार के समय भी मानधन और बोनस न मिलने से उनके परिवार का गुजारा मुश्किल हो गया है। वर्करों ने ऑनलाइन डेटा भरने और स्वास्थ्य रिपोर्ट दर्ज करने में पुराने मोबाइल फोन की वजह से परेशानी होने की बात भी कही। उनका कहना है कि सरकार को उन्हें नया मोबाइल या टैबलेट उपलब्ध कराना चाहिए, ताकि काम सुचारू रूप से चल सके।

चार माह से नहीं मिली तनख्वाह, दिवाली भत्ता भी रोका गया

आयुक्त के आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त

आंदोलन के दौरान आशा वर्करों का शिष्टमंडल आशावरकर आंदोलक सचिव भगवान दवणे के नेतृत्व में मनपा आयुक्त अनमोल सागर से मिला। बैठक में सभी मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई और आयुक्त के आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त कर दिया गया। मनपा मुख्य चिकित्सा अधिकारी संदीप गाड़ेकर ने बताया कि प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। मानधन का मामला तुरंत हल कर दिया जाएगा और पेमेंट इंक्रीमेंट का प्रस्ताव जल्द लागू होगा। साथ ही, आशा वर्करों को जल्द ही टैब भी उपलब्ध कराए जाएंगे। उनके इस बयान के बाद आशा वर्करों में राहत की भावना देखी गई।

निकाय चुनावों की तैयारियां तेज

निर्वाचन आयुक्त वाघमारे ने संबंधित अधिकारियों को दिया आवश्यक मानव बल उपलब्ध कराने का निर्देश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में निकाय चुनावों की तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने गुरुवार को आयोग कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई और चुनावों के लिए आवश्यक मानवबल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव निर्णय अधिकारी, सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी और अन्य कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है।

कानून-व्यवस्था और सुरक्षा

वाघमारे ने पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए समय पर निवारक उपाय करने और आवश्यकतानुसार उड़न दस्ते, चेकपोस्ट तथा शिकायत निवारण केंद्र जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी स्थानों पर पर्याप्त पुलिस सुरक्षा और आचार संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन पर सतर्क रहने की आवश्यकता भी जताई।

मुख्य सचिव का आश्वासन

मुख्य सचिव राजेश कुमार ने कहा कि आयोग को चुनाव के लिए आवश्यक मानवशक्ति उपलब्ध कराई जाएगी। चुनाव निर्णय अधिकारियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अभी से योजना बनाई जाएगी। कानून-व्यवस्था की दृष्टि से भी सभी आवश्यक सावधानियां बरती जाएंगी।

चुनाव क्षेत्रों और तैयारियों का हाल

आयोग सचिव काकानी ने बताया कि राज्य के 29 नगर निगमों, 246 नगर परिषदों, 42 नगर पंचायतों, 32 जिला परिषदों और 336 पंचायत समितियों के चुनाव की तैयारियां चल रही हैं। वार्ड गठन का कार्य पूरा हो चुका है और आरक्षण तथा मतदाता सूची कार्यक्रम की जानकारी दे दी गई है।

विभागों की भागीदारी

इस अवसर पर नगर विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. के.एच. गोविंदराज, वित्त विभाग के प्रधान सचिव सौरव विजय सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। विभिन्न आदेश जारी किए जा चुके हैं ताकि चुनाव शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

आधार सेवा केंद्रों पर अव्यवस्था

अबू आजमी ने जताई नाराजगी, मुख्यमंत्री फडणवीस को लिखा पत्र

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र अध्यक्ष और विधायक अबू आजमी ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर मानखुर्द-शिवाजीनगर क्षेत्र में आधार कार्ड से जुड़ी गंभीर समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। अबू आजमी ने आरोप लगाया कि पिछले कई महीनों से क्षेत्र में नए आधार कार्ड बनना लगभग बंद हो गया है। आधार सेवा केंद्रों पर कर्मचारियों की भारी कमी है। इसके साथ ही कुछ निजी केंद्रों पर अवैध शुल्क वसूली और नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। इस वजह से आम नागरिक, खासकर महिलाएं, बुजुर्ग और गरीब वर्ग, बड़ी परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग

सपा अध्यक्ष ने सरकार से आग्रह किया है कि जल्द से जल्द इस मुद्दे पर ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि लोगों को बिना किसी कठिनाई और समय पर आधार सेवाएं मिल सकें। उन्होंने पत्र में लिखा, "मैं, मानखुर्द-शिवाजीनगर संभाग का एक नागरिक, इस पत्र के माध्यम से हमारे संभाग में आधार कार्ड पंजीकरण और सुधार से संबंधित गंभीर समस्याओं की ओर आपका ध्यान आकर्षित कर रहा हूं।"

प्रमुख समस्याएं और आरोप

अबू आजमी ने बताया कि 7 साल से अधिक उम्र वालों के नए आधार कार्ड बनाने का काम बंद है, आधार केंद्रों के कर्मचारी लापरवाही से काम कर रहे हैं, नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है और निजी आधार केंद्रों में अवैध शुल्क वसूला जा रहा है। इसके अलावा, नागरिकों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जो महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और विकलांग व्यक्तियों के लिए बड़ी समस्या है। विधायक ने यह भी कहा कि आधार केंद्रों पर नागरिकों के नाम, जन्मतिथि और अन्य महत्वपूर्ण सुधार कार्य नहीं किए जा रहे हैं।

भारत में रह रहा बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सहार पुलिस ने एक बांग्लादेशी नागरिक को हिरासत में लिया है, जो लगभग दो दशकों से अवैध रूप से भारत में रह रहा था। आरोपी की पहचान एमडी इक्लाज मोल्ला एमडी बाजिलियर मोल्ला के रूप में हुई है। वह 2005 में अवैध तरीके से भारत आया था।

पुलिस जांच में पता चला कि मोल्ला ने 2014 में कोलकाता पासपोर्ट कार्यालय से फर्जी नाम और पता देकर धोखाधड़ी से भारतीय पासपोर्ट हासिल किया था। कथित तौर पर, उसने इस जाली पासपोर्ट का इस्तेमाल करके कई बार विदेश यात्रा भी की।

मुंबई हवाई अड्डे पर पकड़ा गया

मामले का खुलासा तब हुआ जब 14 अक्टूबर 2025 को मोल्ला इंडिगो उड़ान 6ई-1236 से कुवैत से मुंबई आने की कोशिश कर रहा था। मुंबई हवाई अड्डे पर इमीग्रेशन अधिकारियों ने उसे रोक लिया और फर्जी पासपोर्ट के इस्तेमाल की जांच की। पुलिस के अनुसार, मोल्ला ने पिछले ग्यारह सालों तक कुवैत में नौकरी करते हुए खुद को भारतीय नागरिक बताकर पासपोर्ट नवीनीकरण करवाया। इसी नकली पासपोर्ट का उपयोग करके उसने कुवैत में नौकरी हासिल की और कोलकाता में संपत्ति भी खरीदी।

जांच और डिपोर्टेशन प्रक्रिया

सहार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब यह जांच रही है कि मोल्ला ने भारतीय नागरिकता के दस्तावेज कैसे हासिल किए और बार-बार अंतरराष्ट्रीय यात्रा कैसे की। उसे अवैध प्रवेश और बिना अनुमति रहने के आरोप में हिरासत में लिया गया है और डिपोर्टेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

22 और 23 अक्टूबर को सैलानियों के लिए खुला रहेगा रानीबाग

मुंबई। मुंबई के भायखला (पूर्व) स्थित रानीबाग में दिवाली के अवसर पर पर्यटकों के लिए विशेष पहल की गई है। बीएमसी ने जानकारी दी है कि प्राणी संग्रहालय आगामी 22 और 23 अक्टूबर को सैलानियों के लिए खुला रहेगा, जबकि 24 अक्टूबर को यह बंद रहेगा।

दिवाली की छुट्टियों में बच्चों और परिवारों को मनोरंजन का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। आमतौर पर रानीबाग हर बुधवार को साप्ताहिक अवकाश के कारण बंद रहता है, लेकिन इस बार बीएमसी प्रशासन ने विशेष प्रस्ताव पारित करके बुधवार को प्राणी संग्रहालय खोलने का निर्णय लिया है। बीएमसी प्रशासन के अनुसार, दिवाली के उपलक्ष्य में 22 और 23 अक्टूबर 2025 को मुंबईकर अपने परिवार के साथ वनस्पति उद्यान और प्राणी संग्रहालय की सैर कर सकेंगे। 24 अक्टूबर को साप्ताहिक अवकाश के रूप में यह बंद रहेगा।

एनपीसीआईएल चिकित्सा अधिकारी की याचिका खारिज

यौन उत्पीड़न का है आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के मामले में एनपीसीआईएल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम बिहारी को राहत देने से इनकार कर दिया और उनकी याचिका खारिज कर दी। उन पर एनपीसीआईएल में कार्यरत वैज्ञानिक की बेटी से चिकित्सा के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप है।

जांच प्रक्रिया में कर्मचारी का अधिकार

न्यायमूर्ति रवींद्र वी. घुगे और न्यायमूर्ति अश्विन डी. भोबे की पीठ ने कहा कि अनुशासनात्मक प्राधिकारी द्वारा कार्यवाही समाप्त किए जाने पर भी जांच का पहला चरण पूरा नहीं होता। कर्मचारी का रिपोर्ट प्राप्त करने और जांच के पहले चरण में अपना बचाव प्रस्तुत करने का अधिकार अनिवार्य है। इसका उल्लंघन होने पर उसे अनुशासनात्मक कार्यवाही में अपना बचाव और बेगुनाही साबित करने का अवसर नहीं मिलता। इसलिए समिति के नोटिस में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता।

क्या है मामला?

डॉ. श्याम बिहारी 2005 से एनपीसीआईएल में चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। 27 जुलाई 2024 को एक वैज्ञानिक अधिकारी ने अपनी बेटी की ओर से शिकायत दर्ज कराई, जिसमें डॉ. बिहारी पर उनकी बेटी की चिकित्सा जांच के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया।

आंतरिक शिकायत समिति की रिपोर्ट

एनपीसीआईएल की आंतरिक शिकायत समिति ने जांच के बाद 14 जुलाई 2025 को रिपोर्ट याचिकाकर्ता को प्रस्तुत की, जिसमें आरोप सिद्ध पाए गए। इसके बाद 31 जुलाई 2025 को उन्हें नोटिस भेजा गया कि वह अपना लिखित बचाव प्रस्तुत करें, अन्यथा अनुशासनात्मक प्राधिकारी उचित आदेश पारित करेंगे। डॉ. श्याम बिहारी ने इस नोटिस को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसे अब खारिज कर दिया गया है।

फिल्म प्रोड्यूसर और एक्टर को गैंगस्टर के गुर्गे से धमकी

मंजू-मुकेश भारती ने दर्ज कराई शिकायत

मुंबई। मुंबई की प्रोड्यूसर मंजू मुकेश भारती (विवेक फिल्म्स) और उनके पति, टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' फेम अभिनेता मुकेश जे. भारती को गैंगस्टर रवि पुजारी के गुर्गे से धमकी मिली है। इस मामले में दोनों ने वर्सोवा पुलिस स्टेशन, मुंबई में शिकायत दर्ज कराई है, जबकि गाजियाबाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। आरोपी ने खुद को गाजियाबाद का सतेंद्र त्यागी बताया है, जो पहले भी लोगों को झूठे मुकदमों और वसूली के जरिए ब्लैकमेल कर चुका है।

बच्चों को मारने व किडनैप करने की धमकी

मंजू मुकेश भारती ने बताया कि आरोपी ने उन्हें और उनके बच्चों को मारने व किडनैप करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि हम फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हैं, इसलिए क्रिमिनल्स के लिए सॉफ्ट टार्गेट हैं। अपराधी हमें धमका सकते हैं, लेकिन हमने आवाज उठाई। अब पीएम मोदी और सीएम योगी के शासन में महिलाएं सुरक्षित हैं। पुलिस और सरकार से मांग है कि ऐसे आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अभिनेता मुकेश भारती ने कहा कि सत्येंद्र त्यागी नाम का शख्स हमें धमका रहा है कि अगर हम यूपी में शूटिंग करेंगे तो हमारी जान को खतरा होगा। वह खुद को रवि पुजारी गैंग का सदस्य बताता है।

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड

निविदा हेतु अनुरोध - MRVC-W-274

(दो लिफाफा ई-प्रोक्योरमेंट निविदा प्रक्रिया)

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेट लि., कॉर्पोरेट कार्यालय, दूसरी मंजिल, चर्चगेट स्टेशन भवन, मुंबई-400020 द्वारा, "**बोरीवली-विरार खंड में MUTP-IIIA के अंतर्गत 5वीं एवं 6ठी रेलवे लाइन के निर्माण कार्य हेतु सिग्नलिंग उपकरणों/यंत्रों की डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग के कार्य केलिए** ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के विवरण तथा निविदा दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **https://www.eprocure.gov.in/eprocure/app** पर उपलब्ध हैं। वेबसाइट **https://www.eprocure.gov.in/eprocure/app** पर परिपूर्ण ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि **05.12.2025 दोपहर 15.00 बजे** तक है। **शुद्धिपत्र, यदि कोई है, केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जायेगा ।**

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे क्लाइंट, श्री हितेन सूर्यकांत मनेक, निम्नलिखित स्थावर संपत्ति का शीर्षक और स्वामित्व अपने नाम पर हस्तांतरित कराने हेतु आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने का विचार कर रहे हैं और संबंधित प्रॉपर्टी कार्ड में अपना नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया आरंभ कर रहे हैं: **संपत्ति का विवरण:** ब्लॉक नं. ४३, कक्ष नं. ६, पवई चौक, मुलुंड कॉलोनी, मुंबई – ४०००८२, भूमि का क्षेत्रफल: लगभग १८० वर्ग मीटर, सिटी सर्वे नं. ३०२, ग्राम – नाहूर, तालुका – कुर्ला, जिला – मुंबई उपनगर, टी-वॉर्ड के अधिकार क्षेत्र में स्थित

संपत्ति का स्वामित्व इतिहास उक्त संपत्ति मूल रूप से श्री एम.सी. बृजलानी की स्वामित्व में थी, जो इसके एकमात्र और पूर्ण मालिक थे। दिनांक २२ मई १९९० को उक्त संपत्ति विधिवत विक्रय दस्तावेज के माध्यम से श्री जगन्नाथ वि. जोशी और श्रीमती माया राहुल जोशी को हस्तांतरित की गई। इसके पश्चात, दिनांक ३१ अक्टूबर १९९४ को, उक्त दोनों व्यक्तियों ने यह संपत्ति श्री भीमसेन जे. सरायन, श्री कुमार धर्मदास अमर, एवं श्री राजेश धर्मेंद्र कोटक को पंजीकृत विक्रय दस्तावेज के माध्यम से स्थानांतरित की बाद में, दिनांक ८ जून २००६ को उक्त संपत्ति विधिवत रूप से श्री सूर्यकांत वल्लभदास मनेक को हस्तांतरित की गई, जो इसके वैध एवं विधिक स्वामी बन गए।

श्री सूर्यकांत वल्लभदास मनेक के निधन के उपरांत, उनके विधिक उत्तराधिकारी एवं वारिस श्री हितेन सूर्यकांत मनेक हैं, जो वर्तमान में उपरोक्त संपत्ति के कब्जेदार हैं और अब संपत्ति का स्वामित्व अपने नाम करने की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं।

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित संपत्ति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों को कोई भी हक, स्वामित्व, अधिकार, दावा, ब्याज, कर, बंधक, किरायेदारी, लाइसेंस, अनुबंध, उत्तराधिकार, रोक, लंबित न्यायिक प्रक्रिया, आदेश या किसी तीसरे पक्ष के किसी भी प्रकार के अधिकार आदि का ज्ञान हो, तो वह व्यक्ति अथवा संबंधित पक्ष इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि से *15 (पंद्रह)* दिनों के भीतर अपने दावे या आपत्ति को स्पष्ट रूप से **प्रामाणिक दस्तावेज़ी साक्ष्यों सहित** निम्नलिखित पते पर अथवा अधिवक्ता **श्री रामू टी. तुराई** के कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत करें।

यदि निर्धारित समयावधि के भीतर कोई दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्ति निर्विवाद है तथा उस पर किसी अन्य का कोई अधिकार या दावा नहीं है। तत्पश्चात संबंधित पक्ष द्वारा उक्त संपत्ति के संबंध में विधिक कार्यवाही की जाएगी, जिसके लिए कोई भी दावा मान्य नहीं किया जाएगा।

संपर्क करें:
अधिवक्ता रामू टी. तुराई
कार्यालय क्रमांक १, तल मंजिला,
पानफेयर बिल्डिंग, एस.एन. रोड,
[मुंबई 400080]

72 वर्षीय व्यवसायी से 58 करोड़ की साइबर ठगी

मुंबई। महाराष्ट्र में साइबर अपराध का एक गंभीर मामला सामने आया है। जालसाजों ने खुद को सीबीआई और ईडी के अधिकारी बताकर 72 वर्षीय व्यवसायी और उनकी पत्नी से 19 अगस्त से 8 अक्टूबर के बीच 58 करोड़ रुपए की ठगी की। आरोपियों ने वीडियो कॉल के जरिए दोनों को डिजिटल अरेस्ट कर लिया और पैसे वसूलने लगे। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों ने पीड़ित को विश्वास दिलाया कि जांच में सहयोग करने पर उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी। इसी डर और भ्रम में आकर व्यवसायी ने करीब दो महीनों के भीतर आरटीजीएस के माध्यम से 58 करोड़ रुपए विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर दिए।

शिकायत और बैंकिंग कार्रवाई

जब व्यवसायी को धोखाधड़ी का एहसास हुआ, तो उन्होंने तुरंत महाराष्ट्र साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच में पता चला कि रकम कम से कम 18 बैंक खातों में ट्रांसफर की गई थी। पुलिस ने संबंधित बैंकों से संपर्क कर इन खातों को 'फ्रीज' करने का अनुरोध किया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। साइबर विभाग ने सक्रिय जांच के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच में गिरफ्तार आरोपियों में अब्दुल खुल्ली (47), अर्जुन कड़वासरा (55) और जेठाराम (35) शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला कि ये एक संगठित गिरोह का हिस्सा हैं, जो देशभर में बुजुर्ग व्यवसायियों और उच्च आय वर्ग के लोगों को निशाना बनाकर ठगी कर रहा था।

शिल्पा शेट्टी ने विदेश यात्रा के लिए दायर याचिका ली वापस

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा ने बॉम्बे हाई कोर्ट में लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) की कार्यवाही के बीच विदेश यात्रा पर जाने के लिए दायर याचिका को वापस ले ली। उनके वकील ने अदालत को बताया कि शिल्पा शेट्टी का फिलहाल देश छोड़ने का इरादा नहीं रखती हैं। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने शिल्पा शेट्टी को याचिका वापस लेने की अनुमति दी दी। पीठ ने कहा कि शिल्पा को जब भी यात्रा करने की इच्छा हो, तो पूरे विवरण के साथ नया आवेदन दायर करने की स्वतंत्रता हैं। पीठ ने व्यवसायी दीपक कोठारी द्वारा दायर 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत के संबंध में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा शेट्टी और कुंद्रा को जारी लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) को चुनौती देने वाली मुख्य याचिका पर सुनवाई 17 नवंबर को रखी है। यह एलओसी उन आरोपों के बाद जारी किया गया था कि व्यावसायिक संचालन की आड़ में निवेशकों के धन का दुरुपयोग करने वाले आरोपियों के खिलाफ एलओसी जारी किया जाता है, जिससे वे देश छोड़ कर विदेश नहीं भाग सके। पिछली सुनवाई में पीठ ने शेट्टी की संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रस्तावित व्यावसायिक यात्रा के आधार पर भी सवाल उठाया था और टिप्पणी की थी कि आप सरकारी गवाह क्यों नहीं बन जाते? पीठ ने शिल्पा से जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया था।

मध्य रेल की ओर से
दिवाली और छठ पूजा 2025 हेतु विशेष ट्रेन सेवाओं का संचालन

ट्रेन क्र.	स्टेशन		तिथि		दिवस	ट्रिप्स
	से	तक	से	तक		
01007	लोकमान्य तिलक ट.	लातूर	28.09.2025	30.11.2025	रविवार	10
01017	लोकमान्य तिलक ट.	दानापुर	27.09.2025	01.12.2025	सोमवार एवं शनिवार	20
01021	छत्रपति शिवाजी महाराज ट.	करीमनगर	11.10.2025	15.11.2025	शनिवार	06
01043	लोकमान्य तिलक ट.	मुजफ्फरपुर	07.10.2025	11.11.2025	मंगलवार	06
01051	लोकमान्य तिलक ट.	बनारस	24.09.2025	27.11.2025	बुधवार एवं गुरुवार	20
01067	लोकमान्य तिलक ट.	करीमनगर	23.09.2025	07.10.2025	मंगलवार	03
01079	छत्रपति शिवाजी महाराज ट.	गोरखपुर	26.09.2025	30.11.2025	प्रतिदिन	66
01123	लोकमान्य तिलक ट.	मऊ	26.09.2025	30.11.2025	शुक्रवार एवं रविवार	20
01143	लोकमान्य तिलक ट.	दानापुर	25.09.2025	30.11.2025	प्रतिदिन	67
01145	छत्रपति शिवाजी महाराज ट.	आसनसोल	06.10.2025	10.11.2025	सोमवार	06
01179	लोकमान्य तिलक ट.	सावंतवाडी रोड	17.10.2025	07.11.2025	शुक्रवार	04
01417	छत्रपति शिवाजी महाराज ट.	छत्रपति शाहू महाराज ट.	25.09.2025	27.11.2025	गुरुवार	10
01463	लोकमान्य तिलक ट.	तिरुवनंतपुरम	25.09.2025	27.11.2025	गुरुवार	10
02139	लोकमान्य तिलक ट.	नागपुर	25.09.2025	27.11.2025	गुरुवार	10

सभी कम्प्यूटराइज्ड आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट **www.irctc.co.in** पर विशेष ट्रेन के लिये बुकिंग पहले ही शुरू है।

विस्तृत समय-सारिणी और ठहरावों की जानकारी के लिये यात्रीगण कृपया **www.enquiry.indianrail.gov.in** का अवलोकन करें अथवा **एनटीईएस एप** डाउनलोड करें।

मध्य रेल
www.cr.indianrailways.gov.in
centralrailwayindia Central_Railway

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है AK-552

संपादकीय

विकास की दिशा

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) पर लंबे समय से यह आरोप लगता रहा है कि वह पश्चिमी शक्तियों की नीतियों के अनुरूप कार्य करता है। किंतु जब वही आईएमएफ भारत की विकास दर को बढ़ाकर प्रस्तुत करे, तो इसे हमारी अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रमाण माना जा सकता है। हाल ही में आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इस संशोधित आकलन से भारत की पहचान एक तेज़ी से उभरती हुई वैश्विक अर्थव्यवस्था के रूप में और भी सुदृढ़ हुई है। आईएमएफ ने यह निर्णय भारत की लचीली घरेलू मांग, मजबूत सेवा निर्यात और सार्वजनिक निवेश की निरंतरता को देखते हुए लिया है। यह सुखद संकेत है कि वैश्विक स्तर पर आर्थिक तनाव और अमेरिकी टैरिफ नीतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर बनी हुई है। हालांकि, इस सकारात्मकता के साथ हमें वैश्विक अनिश्चितताओं के प्रति सजग रहना होगा जैसे व्यापारिक अवरोध, बढ़ते शुल्क, तथा सख्त वित्तीय परिस्थितियाँ जो अप्रत्यक्ष रूप से भारत की आर्थिक गति को प्रभावित कर सकती हैं। भारत में आईएमएफ का यह भरोसा कई सुधारात्मक उपायों का परिणाम है। राजकोषीय अनुशासन, घरेलू बाजार की मजबूती, डिजिटल परिवर्तन, और बुनियादी ढांचे में बढ़ते निवेश ने हमारी आर्थिक नींव को सुदृढ़ किया है। फिर भी, विनिर्माण क्षेत्र का निर्यात संरक्षणवादी नीतियों और कमजोर वैश्विक मांग के कारण चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। वहीं, चीन की मंदी और आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्संतुलन ने भारत के सामने नई संभावनाएँ भी खोली हैं। ऐसे में भारत के लिए आवश्यक है कि वह वैश्विक व्यापारिक संतुलन बनाए रखते हुए आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम उठाए। केंद्र सरकार ने इन चुनौतियों को भांपते हुए 'मेक इन इंडिया' अभियान को एक व्यापक आंदोलन का रूप दिया है। इसके अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, और हरित प्रौद्योगिकियों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। यह नीति न केवल औद्योगिक आधार को सुदृढ़ करेगी, बल्कि दीर्घकाल में भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी सहायक सिद्ध होगी। हालांकि, केवल अल्पकालिक उपलब्धियाँ पर्याप्त नहीं होंगी। इसके लिए श्रम बाजार सुधार, भूमि अधिग्रहण में पारदर्शिता, और व्यवसायिक सुगमता को बढ़ाना आवश्यक है। साथ ही, मुद्रास्फीति पर नियंत्रण, कृषि उत्पादकता में वृद्धि, और रोजगार सृजन को भी नीति-निर्माण के केंद्र में रखना होगा। भारत की आर्थिक सफलता हमारे संतुलित आत्मविश्वास और लचीले घरेलू तंत्र की देन है। लेकिन आत्मसंतोष हमें पीछे भी खींच सकता है। इसलिए, दीर्घकालिक स्थिरता के लिए राजकोषीय विवेक, मानव पूंजी में निवेश, और नवाचार को प्रोत्साहन आवश्यक है। वास्तविक विकास वही होगा, जो समावेशी हो — जो केवल आँकड़ों में नहीं, बल्कि समाज के हर तबके के जीवन स्तर में सुधार लाए। भारत की आर्थिक यात्रा में स्थिरता और समावेशिता ही वह आधार हैं, जो उसे वैश्विक मंच पर एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित करेंगे।

सिनेमा को मनोरंजन का सशक्त माध्यम माना जाता है

विजय गर्ग
सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार
प्रतिष्ठित शिक्षाविद् सड़क कुर चंद
एमएचआर मलोट पंजाब

सिनेमा को मनोरंजन का सशक्त माध्यम माना जाता है। लेकिन, मनोरंजन का आशय सिर्फ मन बहलाव नहीं होता। प्रेम कहानियों, नाच-गाने और मारधाड़ के बाद फिल्म का सुखांत ही मनोरंजन नहीं होता। जीवन के यथार्थ, लोगों की पीड़ा और सच्चाई से रूबरू होना भी मनोरंजन का अहम हिस्सा है। सच दिखाने वाली फिल्मों की कहानियां ख़ास इसीलिए होती हैं, साथ ही ये अपनी या अपने आसपास की लगती हैं। इन फिल्मों में शोषण, अंधविश्वास और पाखंड पर चोट, महिलाओं पर अत्याचार, भेदभाव जैसे सामाजिक मुद्दे दिखाई देते हैं। लेकिन, धीरे-धीरे सच दिखाने वाली ये फ़िल्में परदे से लोप हो गईं।

समानांतर सिनेमा जीवन का यथार्थ बहुत गहराई से दिखाता रहा है। यह हिंदी सिनेमा का वह पक्ष है, जिसमें आम आदमी के जीवन की जद्दोजहद, असमानता और बदलाव को सही ढंग से दर्शाया जाता है। ऐसे सिनेमा को 'आर्ट सिनेमा' या 'नया सिनेमा' नाम भी दिया गया। फिल्मों के कथानक का यह चलन 1950 के दशक में पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ और बाद में इसे हिंदी समेत हर भाषा के सिनेमा ने अपनाया। इसका मकसद जीवन के कठोर यथार्थ, समाज के हाशिए पर खड़े वर्गों, महिलाओं और गरीबों की समस्याओं को सामने लाना रहा, जिससे दर्शक खुद को जुड़ा महसूस करे। इसकी यथार्थ परक कहानियां आम लोगों की जिंदगी से जुड़ी होती हैं। मसलन गरीबी, बेरोजगारी, जातिगत भेदभाव, और स्त्री-पुरुष संबंध। ये फिल्में वास्तविक लोकेशनों पर शूट की जाती हैं और संवाद व किरदार स्वाभाविक होते हैं। ऐसी फिल्मों का निर्माण भी वास्तविक होता है। श्याम बेनेगल की फ़िल्में अंकुर, मंथन और भूमिका, मणि कौल की 'उसकी रोटी' और 'दुविधा' के अलावा सत्यजीत रे की 'पाथेर पांचाली' के साथ मृणाल सेन, ऋत्विक घटक जैसे निर्देशक इस आंदोलन के अग्रणी रहे। इनकी फिल्मों में व्यावसायिकता की बजाय कलात्मकता, गहराई और सामाजिक प्रतिरोध देखने को मिलता है। पर, आज ऐसा सिनेमा लुप्त होने लगा। बरसों से ऐसी कोई फिल्म नजर ही नहीं आई।

ऐसी फ़िल्में जीवन का यथार्थ दिखाती है जैसे 'अंकुर' खेतिहरों और गरीब तबके की ज़िंदगी की सच्चाई दिखाती है। 'उसकी रोटी' और 'माया दर्पण' ग्रामीण भारत की समस्याओं को संवेदनशीलता से प्रस्तुत करती हैं। वास्तव में समानांतर सिनेमा ने ही गंभीर दर्शकों को फिल्मों के ज़रिए आम आदमी की पीड़ा को लेकर सोचने पर मजबूर किया। महिलाओं और वंचित वर्गों की भूमिका, विद्रोह और स्वतंत्र पहचान को संवेदनशील तरीके से उजागर किया गया। समानांतर सिनेमा का मकसद दर्शक को यथार्थ के करीब लाना और सांस्कृतिक-सामाजिक बदलाव की चेतना को जगाना रहा है।

इन फिल्मों के किरदार और कथानक वास्तविक

इन फिल्मों में किरदार और कथानक बहुत वास्तविक व स्वाभाविक होते हैं। इसमें गैर-पेशेवर कलाकार होते हैं। समाज की सच्चाइयों को विषय वस्तु बनाकर, बदलाव और सवाल उठाए जाते हैं। नारी सशक्तिकरण, जातिवाद, अशिक्षा, शहरी-ग्रामीण भेद, आर्थिक विषमताएं ऐसे मुद्दे समानांतर सिनेमा की पहचान रहे हैं। सादगीपूर्ण कला निर्देशन, प्राकृतिक प्रकाश, लंबे शॉट्स, और धीमी गति की कहानी। सत्यजीत रे, मृणाल सेन, ऋत्विक घटक, श्याम बेनेगल जैसे निर्माता-निर्देशकों ने इस धारा को स्थापित किया।

दमित और शोषित वर्ग पर फोकस

समानांतर सिनेमा ने फिल्म को सामाजिक बदलाव और जागरूकता का माध्यम बनाया। यथार्थ दिखाने की शैली ने भारतीय दर्शकों के साथ साथ ही अंतरराष्ट्रीय मंच तक वास्तविकता की गूंज पहुंचाई। इस प्रकार, समानांतर सिनेमा जीवन के यथार्थ को बिना बनावटीपन प्रस्तुत करता है। समानांतर सिनेमा को जीवन का यथार्थ कहा जरूर गया, लेकिन माना नहीं गया। क्योंकि, समानांतर सिनेमा का कैमरा हमेशा दमित और शोषित वर्ग पर ही फोकस करता रहा है। जबकि समाज के यथार्थ में खुशी और गम दोनों शामिल होते हैं। यदि इसमें 'अंकुर' शामिल है, तो 'हम साथ साथ हैं' को भी शामिल किया जा सकता है। समझा जाता है कि हमारा समानांतर सिनेमा इटैलियन न्यू रियलिज्म, फ्रांस के फ्रेंच न्यू वेव और जापान के न्यू वेव सिनेमा से प्रभावित रहा।

ऐसी फिल्मों की नींव सौ साल पुरानी

भारतीय सिनेमा में यथार्थवादी फिल्मों की नींव 1920 से 30 के दशक में ही पड़ गई थी। साल 1925 में बाबूराव पेंटर ने अपनी मूक फिल्म 'सावकारी पाश' बनाई, जिसमें वी शांताराम ने गरीब किसान का किरदार निभाया था। इसे भारत की पहली समानांतर फिल्म माना जाता है। महिलाओं की दुर्दशा पर बनी फिल्म 'दुनिया ना माने' भी ऐसी ही फिल्म थी। लेकिन, ये परंपरा तब आगे नहीं बढ़ सकी। बता दें, 40 से 60 के दशक में उसे सत्यजीत रे, ऋत्विक घटक, बिमल राय, मृणाल सेन, ख्वाजा अहमद अब्बास, चेतन आनंद और वी शांताराम ने पल्लवित किया। चेतन आनंद ने 1946 में 'नीचा नगर' बनाई। इस परम्परा को ही बाद में श्याम बेनेगल, गोविंद निहलानी, अदूर गोपालकृष्णन तथा गिरीश कासरवल्ली ने बढ़ाया। ऐसी फ़िल्में बनाने वाले फिल्मकारों में गुरुदत्त भी थे, जिन्होंने कला और फार्मूला सिनेमा को जोड़ने का काम किया। उनकी फिल्म 'प्यासा' को हिंदी सिनेमा की कालजयी फिल्म माना जाता है। लेकिन, कला फिल्मों से व्यावसायिक सफलता पाने में ऋषिकेश मुखर्जी की भी कोई बराबरी नहीं कर सकता। इस तरह की फिल्मों के दर्शकों का दायरा सीमित होने के कारण इन फिल्मों की व्यावसायिक सफलता संदिग्ध मानी गई।

जीवन मंत्र

सारी दुनिया गलत लगे और खुद को सही समझना सबसे बड़ा दुख है

धीरे-धीरे यह दीवारें इतनी ऊँची हो जाती हैं कि वह अपने ही विचारों के कैदखाने में सिमट जाता है। उसे लगता है कि दुनिया उसके खिलाफ है, जबकि सच्चाई यह होती है कि उसने स्वयं ही दुनिया से दूरी बना ली होती है।

मानव अहंकार, एकाकीपन और आत्ममोह की गहराई को उजागर करता है। जब कोई व्यक्ति यह मान लेता है कि वह ही सही है और बाकी सब गलत हैं, तो वह स्वयं को समाज से अलग कर लेता है। यह सोच धीरे-धीरे व्यक्ति को आत्मकेन्द्रित बना देती है। उसके भीतर यह भ्रम जन्म लेने लगता है कि सत्य केवल उसी के पास है, बाकी लोग अंधकार में हैं। यह मानसिक स्थिति बाहर से आत्मविश्वास जैसी प्रतीत होती है, पर भीतर से यह गहरे असंतोष और अकेलेपन की जड़ बन जाती है।

ऐसा व्यक्ति दूसरों की बातों को सुनना बंद कर देता है। वह आलोचना से घबराता है, सलाह को तुच्छ समझता है और संवाद की जगह तर्क-वितर्क को तरजीह देता है। परिणामस्वरूप, उसके चारों ओर दीवारें खड़ी हो जाती हैं भावनात्मक भी और मानसिक भी। धीरे-धीरे यह दीवारें इतनी ऊँची हो जाती हैं कि वह अपने ही विचारों के कैदखाने में सिमट जाता है। उसे लगता है कि दुनिया उसके खिलाफ है, जबकि सच्चाई यह होती है कि उसने स्वयं ही दुनिया से दूरी बना ली होती है।

यह भावना केवल व्यक्ति के संबंधों को ही नहीं, बल्कि उसकी

आत्मशांति को भी नष्ट करती है। जब किसी के भीतर यह धारणा स्थायी हो जाती है कि "मैं ही सही हूँ", तो वह दूसरों के दृष्टिकोण को समझने की क्षमता खो देता है। इससे सहानुभूति, विनम्रता और सहयोग की भावना समाप्त हो जाती है। जीवन का सौंदर्य इसी में है कि हम विभिन्न दृष्टिकोणों को समझें, स्वीकार करें और उनसे सीखें। लेकिन जब कोई व्यक्ति यह सोचने लगता है कि सारा संसार गलत है, तब वह उस सीखने की प्रक्रिया से ही वंचित हो जाता है जो आत्मविकास की नींव है।

आख़िरकार, यह सोच एक गहरे दुःख का कारण बनती है क्योंकि सत्य यह है कि कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं है। दुनिया विविधताओं से भरी है, और हर दृष्टिकोण किसी न किसी सत्य का अंश लिए हुए होता है। यदि हम अपने मन को केवल अपने ही सत्य तक सीमित कर लें, तो हम उस व्यापक सच्चाई से वंचित रह जाते हैं जो जीवन को समृद्ध बनाती है। आत्मसंतोष और आत्ममोह से उपजा यह अहसास व्यक्ति को भीतर से खाली कर देता है।

इसलिए, वास्तविक बुद्धिमानी इसी में है कि हम स्वयं को सही मानने के साथ-साथ दूसरों के अनुभवों और विचारों को भी सम्मान दें। जब हम समझते हैं कि हम सब सीखने की प्रक्रिया में हैं, तब अहंकार की जगह विनम्रता आती है और अकेलेपन की जगह जुड़ाव का भाव पनपता है। यही समझ उस दुख को मिटाती है जो "सिर्फ मैं सही हूँ" जैसी धारणा से उत्पन्न होता है।

शख्सियत — अनिल कुंबले

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर

अनिल कुंबले (जन्म 17 अक्टूबर 1970) एक पूर्व भारतीय क्रिकेटर, कप्तान, कोच और कमेंटेटर हैं, जिन्होंने 18 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में भारत के लिए टेस्ट और एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेला। एक दाएं हाथ के लेग स्पिन गेंदबाज, उन्हें क्रिकेट इतिहास के सबसे महान गेंदबाजों में से एक माना जाता है।

कुंबले का जन्म 17 अक्टूबर 1970 को बैंगलोर, मैसूर राज्य (अब कर्नाटक) में कृष्णा स्वामी और सरोजा के घर हुआ था, जो दोनों केरल के कासरगोड के पास कुंबला से हैं। उनका एक भाई है जिसका नाम दिनेश है। उनकी मातृभाषा कन्नड़ है।

कुंबले ने अपनी प्राथमिक शिक्षा होली सेंट इंग्लिश स्कूल से प्राप्त की और उन्होंने नेशनल हाई स्कूल बसवनगुडी से दसवीं की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने बैंगलोर की सड़कों पर क्रिकेट खेलना शुरू किया और 13 साल की उम्र में यंग क्रिकेटर्स नामक एक क्लब में शामिल हो गए। हाई स्कूल के बाद उन्होंने नेशनल प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज बसवनगुडी से बारहवीं की पढ़ाई पूरी की। बाद में उन्होंने 1991-92 में राष्ट्रीय विद्यालय कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग (RVCE) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

मैसूर राज्य (अब कर्नाटक) के बैंगलोर में जन्मे कुंबले ने क्रिकेट में कम उम्र में ही रुचि विकसित कर ली थी क्योंकि वे पूर्ण क्रिकेटर बनने से पहले बीएस चंद्रशेखर जैसे खिलाड़ियों को खेलते हुए बड़े हुए थे। उन्होंने कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करते हुए 19 साल की उम्र में प्रथम श्रेणी में पदार्पण किया। जल्द ही उन्हें 1990 में ऑस्ट्रेलियन-एशिया कप के लिए चुना गया और उसी वर्ष बाद में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। तब से, उन्होंने 132 टेस्ट मैच खेले और भारत की कई जीत के लिए जिम्मेदार रहे। 1999 में, पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हुए, कुंबले ने एक टेस्ट मैच की पारी में सभी दस बल्लेबाजों को आउट किया और यह उपलब्धि हासिल करने वाले इंग्लैंड के जिम लेकर के साथ दूसरे खिलाड़ी बन गए। वे 1990 के दशक की शुरुआत में नियमित वनडे टीम का हिस्सा बने। वर्ष 1996 उनके लिए बहुत सफल साबित हुआ क्योंकि उन्हें विश्व कप के लिए चुना गया और वे टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज के रूप में उभरे। उन्होंने सात मैचों में 18.73 की औसत से 15 विकेट लिए। 24 जून 2016 को कुंबले को बीसीसीआई द्वारा एक वर्ष की अवधि के लिए भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। कोच के रूप में उनकी पहली श्रृंखला जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ थी जहाँ भारत ने चार टेस्ट मैच खेले और 2-0 से जीत हासिल की। बाद में भारत ने न्यूजीलैंड को टेस्ट श्रृंखला में 3-0 से हराया, जो कोच के रूप में उनकी लगातार दूसरी टेस्ट श्रृंखला जीत थी। भारत ने नवंबर-दिसंबर में इंग्लैंड को पाँच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 4-0 से हराया और अपनी जीत की लय को तीन टेस्ट श्रृंखलाओं में जीत तक बढ़ाया। अगली टेस्ट श्रृंखला जीत बांग्लादेश के खिलाफ मिली। भारत ने अपनी घरेलू धरती पर दबदबा बनाया और टेस्ट मैचों में 19 मैचों का अपराजित रिकॉर्ड बनाया।

मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज़ के दौरान भारत पहला मैच हार गया, लेकिन शानदार वापसी करते हुए आखिरी तीन टेस्ट मैचों में से दो में ऑस्ट्रेलिया को हराया, एक मैच ड्रॉ कराया और सीरीज़ 2-1 से जीत ली। कुंबले के कार्यकाल में भारत ने दो वनडे सीरीज़ भी जीतीं, जिसमें भारत ने न्यूज़ीलैंड को पाँच वनडे मैचों की सीरीज़ में 3-2 से हराया और उसके बाद इंग्लैंड को तीन मैचों की सीरीज़ में 2-1 से हराया।

20 जून 2017 को कुंबले ने तत्कालीन कप्तान विराट कोहली के साथ मतभेदों के कारण मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया। उनका कार्यकाल 2017 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के बाद समाप्त हुआ, जहाँ भारत फाइनल में पाकिस्तान से हार गया।

जीवन ऊर्जा

दूधनाथ सिंह : जन्म - 17 अक्टूबर 1936 — जन्म

क्रूरता और हठ किसी समाज को नहीं बचा सकते

दूधनाथ सिंह (17 अक्टूबर 1936 - 12 जनवरी 2018) एक भारतीय हिंदी भाषा के लेखक, आलोचक और कवि थे। उत्तर प्रदेश के बलिया ज़िले में जन्मे, सिंह ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से हिंदी का अध्ययन किया और 1994 तक वहाँ प्राध्यापक के रूप में कार्य किया। 2014 में, उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के सबसे बड़े साहित्यिक पुरस्कार, भारत भारती सम्मान से सम्मानित किया ।

समाज की नैतिक और मानवीय नींव को समझने का एक गहरा संदेश देता है। किसी भी राष्ट्र या समुदाय की असली शक्ति उसकी सभ्यता, करुणा और न्यायप्रियता में निहित होती है, न कि उसकी कठोरता या हिंसा में। जब कोई समाज क्रूरता और असंवेदनशीलता को अपनी पहचान बना लेता है, तो वह धीरे-धीरे अपने नैतिक पतन की ओर बढ़ता है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिन्होंने क्रूरता और दमन को शासन का आधार बनाया, वे अंततः विनाश का सामना करते हैं।

क्रूरता का सबसे बड़ा परिणाम यह होता है कि वह समाज के भीतर से विश्वास और एकता को समाप्त कर देती है। जब लोग भय में जीने लगते हैं, तो उनके भीतर से

सृजनशीलता, सहानुभूति और सहयोग की भावना मर जाती है। समाज की प्रगति केवल भौतिक संसाधनों से नहीं होती, बल्कि उस विश्वास से होती है जो नागरिकों के बीच एक-दूसरे के प्रति होता है। यदि यही विश्वास टूट जाए, तो समाज का ढाँचा अंदर से खोखला हो जाता है। उजड्डता यानी असंयम और असभ्यता, समाज की बौद्धिक और नैतिक संस्कृति को कमजोर करती है। एक सभ्य समाज वही कहलाता है, जो संवाद, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान की भावना पर टिका हो। जब कोई समाज इन गुणों को त्याग देता है, तो उसमें टकराव, विभाजन और हिंसा बढ़ने लगती है। उजड्डता के वातावरण में न तो विचारों की स्वतंत्रता बचती है, न ही मानवीय गरिमा का स्थान। मानव सभ्यता की प्रगति इसी बात पर टिकी है कि हम अपने भीतर मानवीयता को बनाए रखें। जब भी किसी समाज ने करुणा, दया और न्याय के मूल्यों को भुलाया है, तब उसने अपने ही अस्तित्व पर संकट बुलाया है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

व्यक्ति और समाज पर प्रभाव तथा उसका समाधान

भावनाएँ सभी प्राणियों में विद्यमान होती हैं, लेकिन यह आवश्यक नहीं कि वे हमेशा स्पष्ट रूप में प्रदर्शित हों। मनुष्य का अस्तित्व ही भावनाओं से गहराई से जुड़ा होता है। जीवन के प्रारंभ से ही ये किसी न किसी रूप में सामने आती रहती हैं। जन्म के समय से लेकर जीवन के अंतिम क्षण तक भावनाएँ हमारे व्यक्तित्व, हमारे व्यवहार और हमारे निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एक ऐसा व्यक्ति जिसका जीवन भावनाओं से पूरी तरह रहित हो, व्यावहारिक रूप से असंभव है, भले ही उसके परिवेश में उसकी भावनाओं को निरर्थक, तुच्छ या महत्वहीन मानकर उसे दबा दिया गया हो।

स्नेह, प्रेम, क्रोध, घृणा, करुणा और हीनता जैसी अनगिनत भावनाएँ हमारे व्यक्तित्व और मानसिक विकास में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। ये भावनाएँ हमारे व्यक्तित्व की प्रगति या अधोगति के लिए उत्तरदायी होती हैं। विशेष रूप से हीनभावना, जो अत्यंत सूक्ष्म और गहन होती है, अपने प्रकट होने में अक्सर समय लेती है। इसके पीड़ित व्यक्ति को इसकी वास्तविकता का अहसास नहीं होता, और आसपास के लोग भी उसकी इस समस्या से अक्सर अनभिज्ञ रहते हैं। हीनभावना आमतौर पर बाल्यावस्था में आकार लेने लगती है। यदि इसका समय रहते समाधान न किया जाए, तो यह धीरे-धीरे एक गहन मानसिक समस्या, कभी-कभी कष्टकर व्याधि का रूप भी धारण कर सकती है। यद्यपि इसे सीधे तौर पर कोई मानसिक बीमारी नहीं कहा जा सकता, लेकिन इसका प्रभाव व्यक्ति के सामाजिक, मानसिक और नैतिक जीवन पर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

मनुष्य की हीनभावना का जन्म कई बार प्रतिकूल परिस्थितियों, अनुचित व्यवहार, पक्षपातपूर्ण रवैये और असंपन्न परिवेश से होता है। यदि कोई व्यक्ति प्रारंभ से ही असमान परिस्थितियों या उपेक्षा का सामना

करता है, तो उसमें धीरे-धीरे हीनभावना विकसित होना स्वाभाविक होता है। यह भावना उसकी सोच और दृष्टिकोण को प्रभावित करती है, और वह अपनी कमियों और आत्मसंदेह को छिपाने के लिए विभिन्न उपाय अपनाने लगता है। कभी-कभी व्यक्ति अपनी कमी या असुरक्षा को छिपाने के लिए वांछित या अवांछित किसी भी मार्ग पर चल पड़ता है। कई बार वह अपने से श्रेष्ठ लोगों पर अनर्गल आरोप लगाने, उन्हें नीचा दिखाने या प्रभावित करने की कोशिश में लग जाता है। इस प्रक्रिया में न केवल दूसरों पर उसका प्रभाव पड़ता है, बल्कि स्वयं वह भी नैतिक, मानसिक और सामाजिक दृष्टि से गिरता चला जाता है।

मनोविज्ञानियों के अनुसार, हीनभावना से ग्रस्त व्यक्ति अक्सर अपनी अल्पताओं को दूर करने के लिए श्रेष्ठता का ढोंग करने लगता है। यह उसकी स्वभाविक प्रवृत्ति बन जाती है। ऐसे लोग न केवल दूसरों के सामने अपने आप को श्रेष्ठ दिखाने का प्रयास करते हैं, बल्कि अपने आप को दूसरों से ऊपर साबित करने की कोशिश में अनजाने में अनेक नैतिक और सामाजिक नियमों का उल्लंघन कर बैठते हैं। हालांकि, चाहे वे कितने ही कृत्रिम आवरण पहन लें, हीनभावना कहीं न कहीं उनकी असलियत को प्रकट करती रहती है। उनका व्यक्तित्व, उनकी चाल-ढाल, बोलचाल और व्यवहार अंततः उनकी मानसिक और भावनात्मक स्थिति को उजागर कर ही देते हैं। इस प्रकार की स्थिति में यह आवश्यक है कि व्यक्ति बाहरी दिखावे या श्रेष्ठता के ढोंग को छोड़कर आत्ममूल्यांकन और आंतरिक सुधार की ओर ध्यान दे।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

रोटी समय पर नहीं पलटिएगा, तो जल जाएगी। बिहार की जनता इस बार पलटू चाचा को पलट देगी। ये बिहार है, नीतीश चाचा का जो शिंदे करना चाहते हैं, यहां की जनता उनको हल्दी चूना लगा देगी।

-कन्हैया कुमार, नेता, कांग्रेस

1987 में किसान आंदोलन हुआ। कांग्रेस ने उसका दमन किया और गुजरात के लोगों ने 149 सीट वाली कांग्रेस को अगले चुनाव में उखाड़ का। पिछले 30 साल से गुजरात में बीजेपी का शासन है। गुजरात के लोग अगले चुनाव में बीजेपी को भी उखाड़ फेंकेंगे।

-अरविंद केजरीवाल, अध्यक्ष, आप पार्टी

उन्हें मस्जिद के अलावा कुछ और इल्म होता तो शायद ऐसा न कहते। कम से कम उन्होंने ये तो माना कि मैं हिंदुस्तानी हूं और मैं किसी एजेंसी का एजेंट नहीं हूं।

-आज़म खान, नेता, समाजवादी पार्टी

मुझे उम्मीद है कि चुनाव आयोग संविधान में लोगों को दिए गए मताधिकार को सख्ती से लागू करेगा। संविधान की रक्षा होगी, लोकतंत्र की रक्षा होगी, और मुझे उम्मीद है कि चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराएगा।

-अवधेश प्रसाद, सांसद,सपा

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

संतोष कुमार झा 'राजभाषा सम्मान–2024' से सम्मानित

मुंबई. प्रयागराज में विश्व हिन्दी साहित्य सेवा संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय साहित्य अधिवेशन के दौरान कोंकण रेलवे के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा सुप्रसिद्ध कवि संतोष कुमार झा को "राजभाषा सम्मान–2024" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उनके नेतृत्व में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए प्रदान किया गया। नैनी स्थित जगतपिता ब्रह्मदेव धर्मशाला में आयोजित इस समारोह में मंडलायुक्त डॉ. सुरेंद्र कुमार पांडेय मुख्य अतिथि थे। उन्होंने हिन्दी और संस्कृत को एक ही सांस्कृतिक परंपरा की भाषाएं बताया। कार्यक्रम में डॉ. एन. बी. सिंह 'हरियाली गुरु', डॉ. वंदना अग्निहोत्री, डॉ. सीमा वर्मा, रजनी प्रभा सहित कई साहित्यकारों को भी सम्मानित किया गया। श्री झा के चार काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। मंच संचालन डॉ. सीमा वर्मा और रश्मि चौबे ने किया, जबकि आभार डॉ. गोकुलेश्वर कुमार द्विवेदी ने व्यक्त किया।

सोहम फाउंडेशन ने 4,000 वृक्षों का वृक्षारोपण अभियान किया शुरू

उल्हासनगर: उल्हासनगर की सोहम फाउंडेशन ने सामाजिक कार्यों और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के तहत एक नई पहल शुरू करते हुए ट्रांसरेल फाउंडेशन, अंबोली ग्राम पंचायत और वन विभाग के सहयोग से 4,000 से अधिक वृक्षों का वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया है, जो अंबोली, सिलवासा, दादरा और नगर हवेली में सतत पर्यावरण परियोजना के रूप में संपन्न होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आईएफएस अधिकारी श्री आनंद जाधव होंगे, जबकि ट्रांसरेल फाउंडेशन के फैक्ट्री प्रमुख श्री माने, श्री शीतल, श्री मनोजीत (मानव संसाधन प्रमुख) और श्री उमेश (सीएसआर प्रमुख) की भागीदारी इसे गौरवपूर्ण बनाती है। सोहम फाउंडेशन ने पहले भी सफाई अभियान, दौड़ स्पर्धा, दीपावली पर आदिवासियों और गरीब छात्रों को कपड़े, मिठाई, पटाखे और पाठ्य पुस्तकें वितरित करने, बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद, स्वास्थ्य परीक्षण और रक्तदान शिविर जैसे कई सामाजिक कार्य किए हैं। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने में अंबोली ग्राम पंचायत के सरपंच और सदस्यों, सरकारी स्कूल अंबोली के शिक्षकों और छात्रों, तथा सोहम फाउंडेशन और एनजीओ टीम के सक्रिय योगदान के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया।

'पोषण भी शिक्षण भी' प्रशिक्षण में 3381 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भागीदार

ठाणे। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत ठाणे जिले में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'पोषण भी मध्य भी' को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। यह कार्यक्रम 6 अक्टूबर 2025 से 15 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है और इसमें कुल 3,381 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भाग ले रही हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और समग्र बाल विकास पर कार्यकर्ताओं को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करना है। ठाणे जिले की 17 एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) परियोजनाओं की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए यह प्रशिक्षण चरणों में आयोजित किया जा रहा है। प्रति बैच 100 से 105 कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है। प्रत्येक बैच में पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा और बाल सुरक्षा जैसे विषयों पर सैद्धांतिक और व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया जा रहा है। "पोषण भी मध्य भी" का उद्देश्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को अद्यतन जानकारी और कौशल प्रदान करना है, ताकि वे बच्चों के समग्र विकास और प्री-स्कूल शिक्षा में दक्षता बढ़ा सकें। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण और शहरी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए आंगनवाड़ी प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है।

साइबर सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता समय की आवश्यकता: मंत्री शेलार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने गुरुवार को कहा कि साइबर सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता अब केवल विलासिता नहीं बल्कि समय की आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने बताया कि सरकार, प्रशासन और आम नागरिकों को इस क्षेत्र में अपडेट रहना आवश्यक है।

साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) और सूचना प्रौद्योगिकी निदेशालय ने मुंबई में एक साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शेलार ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने हमारे दैनिक जीवन और प्रशासनिक कार्यों में आमूल-चूल परिवर्तन लाए हैं। मंत्रालय में कार्यरत हर अधिकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्यरत है, इसलिए साइबर सुरक्षा और जिम्मेदारी का सीधा संबंध है।

डिजिटल प्रगति और साइबर खतरे

मंत्री ने कहा कि भारत आज डिजिटल लेनदेन में अग्रणी है और सबसे अधिक सुरक्षित डिजिटल लेनदेन करता है। लेकिन इसी प्रगति के साथ साइबर अपराधों की जटिलता और पैमाना भी बढ़ा है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र सरकार ने 2016 से साइबर सुरक्षा के लिए एक सक्षम बुनियादी ढांचा तैयार किया है, जिसमें 24 घंटे चलने वाला कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, साइबर हेल्पलाइन, मोबाइल ऐप, प्रौद्योगिकी सहायक जांच इकाई और एआई आधारित जांच प्रणाली शामिल हैं।

ठाणे मनपा ने की केवल 'हरित पटाखे' फोड़ने की अपील

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

शहर की वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई है। इस स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेशानुसार, ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र में केवल हरित पटाखों की अनुमति दी गई है। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने नागरिकों से इन नियमों का पालन करने और प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाने की अपील की है। आयुक्त राव ने सभी ठाणेकरों को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और साथ ही स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नागरिक रात 10 बजे तक ही हरित पटाखे फोड़ सकते हैं, ताकि पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों सुरक्षित रहें। राव ने कहा कि पटाखों के अत्यधिक उपयोग से न केवल हवा प्रदूषित होती है, बल्कि इसका असर पशु-पक्षियों, पेड़ों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। मनपा ने इस विषय पर जागरूकता बोर्ड शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगाए हैं।

पालघर जिला योजना समिति की बैठक

विकास पर विस्तृत चर्चा, मंत्री गणेश नाईक ने की अध्यक्षता

डीबीडी संवाददाता । पालघर

पालघर जिलाधिकारी कार्यालय में आज पालघर जिले के संरक्षक मंत्री एवं राज्य के वन मंत्री गणेशजी नाईक की अध्यक्षता में जिला योजना समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वसई विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों समेत जिले के कई वरिष्ठ अधिकारी और लोकप्रतिनिधि शामिल हुए।

शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे पर हुई विस्तृत चर्चा

बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, कृषि, सड़क विकास और आधारभूत ढांचे जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री गणेश नाईक ने कहा कि जिले के सर्वांगीण विकास के लिए योजनाओं का समन्वय और समयबद्ध क्रियान्वयन प्राथमिकता होनी चाहिए।

वसई सहित पूरे जिले के विकास का संकल्प

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने वसई सहित पूरे पालघर जिले के समग्र विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। प्रतिनिधियों ने कहा कि जनहित के सभी मुद्दों पर योजनाबद्ध ढंग से काम किया जाएगा ताकि जिले के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों को समान लाभ मिल सके बैठक में विधायक राजेंद्र गावित, विधायक हरिश्चंद्र भोये, वसई-विरार नगर निगम के आयुक्त एवं प्रशासक विनोद निकोले, जिलाधिकारी इंदु रानी जाखड़, वरिष्ठ अधिकारी मनोजकुमार सूर्यवंशी, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंत्री गणेश नाईक ने सभी विभागों को समन्वय के साथ काम करने और जिले के विकास कार्यों को गति देने के निर्देश दिए।

बहुजन विकास आघाड़ी के 40 से अधिक कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

ओपी यादव । विरार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और विधायक राजन नाईक के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए बहुजन विकास आघाड़ी (BVA) के सोपारा क्षेत्र के प्रमुख कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। सेवन आर्ट ग्रुप और सोपारा मित्र मंडल के प्रमुख मोहक पाटील के नेतृत्व में करीब 40 से अधिक कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा वसई-विरार जिलाध्यक्ष प्रज्ञा पाटील, वरिष्ठ नेता जोगेंद्र प्रसाद चौबे, मनोज पाटील, जिला महासचिव मनोज बारोट और शहर अध्यक्ष सतीश सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान सचिन देसाई, नितीन देसाई, निवास रहाटे, हितेश पाटील, हितेश निर्मल, जितेंद्र मेहता, रोहित गोडाम्बे, अक्षय देसाई समेत कई कार्यकर्ताओं ने भाजपा में प्रवेश किया। जिलाध्यक्ष प्रज्ञा पाटील और नेता मनोज पाटील ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं का दल है और यहां हर कार्यकर्ता को सम्मान और अवसर मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नए साथियों के जुड़ने से पार्टी को सोपारा और वसई-विरार क्षेत्र में और मजबूती मिलेगी।

अधिक किराया वसूलने वालों पर निगरानी

ठाणे आरटीओ की विशेष कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

17 अक्टूबर 2025 से शुरू हो रहे दिवाली त्योहार के मद्देनज़र बड़ी संख्या में यात्री अपने गाँवों की ओर जा रहे हैं। इसी दौरान निजी ट्रांसपोर्ट संचालकों द्वारा अधिक किराया वसूलने की शिकायतों को रोकने के लिए सरकार ने विशेष निरीक्षण अभियान शुरू किया है। यात्रियों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी या अधिक किराया वसूले जाने पर अपनी शिकायत rto.04-mh@gov.in पर दर्ज कराने की सुविधा दी गई है। यह ईमेल ठाणे क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा जारी किया गया है।

किराया तालिका के अनुसार भुगतान की अपील

ठाणे के उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि सभी निजी अनुबंधित वाहनों के प्रस्थान स्थलों पर किराया तालिका प्रदर्शित की गई है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे केवल उसी सूची के अनुसार किराया चुकाएँ और किसी भी स्थिति में मनमाना किराया न दें।

डोंबिवली रेलवे स्टेशन पर बीम लगाने का काम पूरा

डोंबिवली: रेलवे प्रशासन ने बुधवार आधी रात को विशेष मेगा ब्लॉक लेकर डोंबिवली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म एक और पांच के बीच पैदल यात्री पुल के निर्माण का महत्वपूर्ण चरण पूरा कर लिया। इस विशेष मेगा ब्लॉक के दौरान प्लेटफार्म पांच और छह के बीच सपोर्ट पिलर लगाने और उन पर बीम बिछाने का काम किया गया। इन बीमों को उठाने और इसके लिए ज़रूरी सामग्री रेलवे द्वारा मंगलवार शाम को डोंबिवली पूर्व रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पहुँचा दी गई। बुधवार आधी रात के बाद, सौ से ज़्यादा मज़दूरों और अत्याधुनिक क्रेन उपकरणों की मदद से, प्लेटफ़ॉर्म संख्या पाँच और छह के बीच पुल के लोहे के सपोर्ट पिलर और उन पर बीम रखने का चुनौतीपूर्ण काम किया गया। चूँकि तीन घंटे का विशेष रेलवे मेगा ब्लॉक था, इसलिए रेलवे को यह काम उसी अवधि में पूरा करना था।

बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

बांद्रा टर्मिनस – जोधपुर सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 04826 बांद्रा टर्मिनस – जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 21:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21:45 बजे जोधपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 अक्टूबर और 30 अक्टूबर, 2025 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04825 जोधपुर – बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार को जोधपुर से 17:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 अक्टूबर और 29 अक्टूबर, 2025 को चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, जयपुर, फुलेरा, नवा सिटी, कुचामन सिटी, मकराना, डेगाना, रेन, मेड़ता रोड और गोटन स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

खेल प्रतियोगिता के लिए चयन परीक्षा संपन्न

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अमरावती में आयोजित होने वाली महावितरण की अंतर-परिमंडलीय क्रीड़ा प्रतियोगिता के लिए संघीय कार्यालय और भांडुप परिमंडल की संयुक्त टीम का चयन परीक्षा 15 अक्टूबर 2025 को वाशी स्थित नवी मुंबई स्पोर्ट्स एसोसिएशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यकारी निदेशक (वितरण) धनंजय औंढेकर उपस्थित थे, जबकि अध्यक्षता भांडुप परिमंडल के मुख्य अभियंता संजय पाटील ने की। साथ ही महाव्यवस्थापक राजेंद्र पांडे, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और उत्साही खिलाड़ी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

खेलों की विविधता और चयन प्रक्रिया

चयन परीक्षा में कबड्डी, खो-खो, शतरंज, कैरम, वॉलीबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, ब्रिज, कुश्ती, पावर लिफ्टिंग, बॉडी बिल्डिंग, 100 मीटर से लेकर 5000 मीटर दौड़, रिले, ऊँची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, भाला फेंक, डिस्क थ्रो और टेनीकोइट जैसे खेल शामिल थे। इन खेलों में चयनित खिलाड़ी अमरावती प्रतियोगिता में भांडुप और संघीय कार्यालय की संयुक्त टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आयोजन और सुविधाओं की सराहना

संजय पाटील ने वाशी परिमंडल के उपमुख्य औद्योगिक संबंध अधिकारी महेंद्र बागुल और उनकी टीम द्वारा चयन परीक्षा के सफल आयोजन के लिए किए गए प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए बेहतरीन सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं और टीम अमरावती प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर भांडुप परिमंडल और मुख्यालय को गौरवान्वित करेगी।

खिलाड़ियों के लिए प्रेरक संदेश

कार्यक्रम के दौरान धनंजय औंढेकर ने कहा, "टीम भावना से खेलना ही सफलता की कुंजी है। खेल हमें जिद, दृढ़ता और सहयोग भावना सिखाते हैं। महावितरण हमेशा कर्मचारियों को ऐसे उपक्रमों में प्रोत्साहित करता है।" मुख्य अभियंता संजय पाटील ने टीम भावना और पिछली परंपरा को बनाए रखने पर जोर दिया।

कलबुरगि स्टेशन पर 'अमृत संवाद'

नागरिक-रेलवे संबंध हुआ मजबूत

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने विशेष अभियान 5.0 के तहत कलबुरगि रेलवे स्टेशन पर "अमृत संवाद" कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका उद्देश्य रेलवे अधिकारियों, यात्रियों और हितधारकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करना था, ताकि सुविधाओं और सेवाओं में सुधार के लिए जनता की राय को शामिल किया जा सके। अमृत संवाद पहल भारतीय रेल के नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण का हिस्सा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत अमृत स्टेशनों पर किए गए प्रमुख सुधारों का मूल्यांकन करना, चल रही पहलों पर नागरिकों से प्रतिक्रिया लेना और यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए सुझाव इकट्ठा करना था।

वरिष्ठ अधिकारियों और हितधारकों की भागीदारी

डीआरएम सोलापुर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ कल्याण कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केकेसीसीआई), जेडआरयूसीसी, डीआरयूसीसी और अन्य रेल उपयोगकर्ताओं के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने यात्रियों से सीधे बातचीत कर उनकी जरूरतों और अपेक्षाओं को समझा।

सुधार और जागरूकता

कार्यक्रम में स्वच्छता बनाए रखने और स्टेशन के रखरखाव में यात्रियों की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। साथ ही, सुधार के अन्य क्षेत्रों की पहचान करने और जनता को भारतीय रेल की विकास यात्रा में शामिल करने के लिए संवाद का मंच प्रदान किया गया।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष भागदौड़ अधिक रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। मेहनत अधिक होगी। लाभ में कमी रह सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा। आय बनी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें।

वृष मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शत्रु तथा ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधानी आवश्यक है। समय की अनुकूलता है।

मिथुन पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। कारोबार से लाभ होगा।

कर्क बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

सिंह दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम से काम रखें। लाभ के अवसर मिलेंगे। विवेक का प्रयोग करें। आय में वृद्धि होगी।

कन्या स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से लाभ होगा। आय में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

धनु चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दौड़धूप रहेगी। नकारात्मकता हावी रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मकर यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। कारोबारी अनुबंध हो सकते हैं। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों से सहयोग मिलेगा। झंझटों में न पड़ें।

कुंभ ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। विवेक से कार्य करें।

मीन पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। किसी व्यक्ति से बहस हो सकती है। आशंका-कुशंका से बाधा होगी।

पितृ दोष : पूर्वजों की अधूरी पुकार और आत्मा का चयनित उत्तरदायित्व

परंतु पितृ दोष केवल भय का विषय नहीं है। यह वह माध्यम है जिसके द्वारा आत्मा को एक विशिष्ट जिम्मेदारी सौंपी जाती है। जब कोई आत्मा अपने वंश की मुक्ति के लिए जन्म लेती है, तब उसका जीवन सामान्य नहीं होता। वह व्यक्ति अक्सर सोचता है कि उसके साथ ही क्यों इतनी कठिनाइयाँ हैं, जबकि दूसरों का जीवन आसान है। इसका उत्तर यही है — क्योंकि उसे चुना गया है। वह अपने पूर्वजों की ऊर्जा को शांति देने वाला माध्यम है। पितृ दोष तब बनता है जब पितरों को उनके कर्मों का पूर्ण फल या संतोष नहीं मिला होता। वे अपनी अपूर्णता की ऊर्जा को अपने वंश में प्रवाहित कर देते हैं, ताकि कोई आत्मा उसे समाप्त करे। यह दोष एक प्रकार का "ऊर्जा ऋण" है, जिसे केवल श्रद्धा, सेवा और सत्य के माध्यम से ही चुकाया जा सकता है।

श्राद्ध करना इसका एक मार्ग है, लेकिन वह तभी प्रभावी होता है जब उसमें श्रद्धा, शुद्धता और मन की निष्ठा हो। यदि केवल औपचारिकता के लिए पूजा कर दी गई, पैसे भेज दिए, पर मन में श्रद्धा नहीं थी, तो वह ऊर्जा पितृलोक तक नहीं पहुँचती। पितर सोने या दान से प्रसन्न नहीं होते, वे केवल सत्य भावना और धर्म कर्म से प्रसन्न होते हैं।

हर अमावस्या को, सूर्य अस्त होने के बाद, यदि व्यक्ति शांत भाव से दक्षिण दिशा की ओर मुख करके जल अर्पित करे और मन में अपने पूर्वजों का स्मरण करे — तो पितरों को वह प्रकाश प्राप्त होता है जिसकी उन्हें प्रतीक्षा थी। इसी को "पितृ तर्पण" कहा गया है। ज्योतिष कहता है — जब सूर्य पवित्र होता है, तब व्यक्ति के जीवन में आलोक आता है; जब सूर्य राहु से ग्रसित होता है, तब आत्मा को अंधकार से प्रकाश की यात्रा करनी पड़ती है। पितृ दोष उसी यात्रा का प्रतीक है। यह किसी श्राप का परिणाम नहीं, बल्कि आत्मा को दिया गया दिव्य कार्य है।

प्रियंका जैन
9769994439

जो व्यक्ति इस दोष को समझकर श्रद्धा से कर्म करता है, वह अपने ही नहीं, अपने वंश के कई जन्मों के कर्मों को शुद्ध करता है। यही कारण है कि पितृ दोष से ग्रसित व्यक्ति का जीवन आध्यात्मिक रूप से अधिक गहरा और सशक्त होता है। वह जब सत्य, दान, करुणा और साधना का मार्ग अपनाता है, तब उसके माध्यम से वंश की अधूरी पुकार शांत हो जाती है।

जब ऐसा होता है, तो जीवन में धीरे-धीरे परिवर्तन दिखने लगता है। घर में शांति लौटती है, विवाद घटते हैं, स्वास्थ्य सुधरता है, और एक अदृश्य आशीर्वाद हर कार्य में साथ देने लगता है। यही वह क्षण होता है जब आत्मा अपने कार्य को पूर्ण करती है।

इसलिए पितृ दोष को कभी अभिशाप न मानें। यह आत्मा की परीक्षा नहीं, उसका सम्मान है। यह वह क्षण है जब ईश्वर आपको अपने वंश का दीपक बनाता है।

जो व्यक्ति अपने पितरों के लिए श्रद्धा से दीप जलाता है, उसके जीवन में स्वयं भगवान शिव का आशीर्वाद उतरता है, क्योंकि शिव ही पितृलोक के अधिपति हैं।

और जब शिव की कृपा होती है, तब पितरों की आत्माएँ प्रसन्न होकर कहती हैं —
"अब हमारी यात्रा पूर्ण हुई।"
पितृ दोष का यही अंतिम सत्य है — यह दोष नहीं, बल्कि मुक्ति का द्वार है, जो केवल उस आत्मा के लिए खुलता है जिसे ईश्वर ने अपने वंश का उद्धारक चुना हो।

न्यूज़ ब्रीफ

ऑनलाइन चालान से बचने के लिए गाड़ी के नंबर की टेंपरिंग पड़ेगा महंगा

रांचीः ट्रैफिक चालान से बचने के लिए नंबर प्लेट को टेंपर कर वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है। 5 दिनों के अंदर दो दर्जन से ज्यादा वाहन चालकों को नंबर टेपरिंग के लिए फाइन किया गया है। रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने बताया कि प्रायः ऐसी शिकायत मिल रही थी कि मोटर वाहन के मालिकों के द्वारा अपने वाहन रजिस्ट्रेशन को अपने नंबर प्लेट पर छेड़छाड़ कर वाहन का प्रयोग किया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद राजधानी के सभी चौक चौराहा पर ऐसे चालकों के खिलाफ वृहद अभियान शुरू किया गया। इस अभियान में गुरुवार को ही 18 वाहन पकड़े गए हैं। सभी वाहनों के नंबर में छेड़छाड़ किया गया था। कुछ नंबर प्लेटों में सेलो टेप साथ कर उसे छुपा दिया गया था। पिछले एक सप्ताह के दौरान ऐसे दो दर्जन से ज्यादा वाहनों को पकड़ा गया और उन पर फाइन किया गया है। ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने बताया कि गलत ढंग से नंबर प्लेट पर अंकित किए गए नंबर वाले वाहनों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

चाईबासा में नक्सलियों ने पेड़ काटकर आवागमन किया बाधित

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड में नक्सलियों के उत्पात मचाया है। दरअसल, बीती रात चिड़िया सुंदरी माइंस की ओर जाने वाली सड़क के पास नक्सलियों ने पेड़ काटकर सड़क बाधित कर दी, जिससे आवागमन दोनों ओर से प्रभावित हो गया। घटना की पुष्टि एसपी अमित रेणु ने की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पेड़ काटे जाने के बाद नक्सलियों ने सड़क किनारे बैनर और पोस्टर लगाए हैं। पोस्टरों में लिखा है कि 'सादे पोशाक और निहत्थे हमारे कार्यकर्ता और सैनिकों को पकड़कर मारना बंद करो, वरना उसका बदला उसी तर्ज पर पुलिस और अर्द्धसैनिक बल से लेंगे।

दो दिन बाद कब्र से निकाला गया छात्रा का शव

पलामूः जिले के पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के होटवार स्थित कब्रिस्तान से दो दिनों बाद बीए की छात्रा का शव बाहर निकाला गया है। छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को जानकारी दिए बिना शव को दफना दिया था। इसी बीच पुलिस को जानकारी मिली कि एक लड़की ने होटवार गांव में आत्महत्या की है और परिजनों ने उसे दफना दिया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने बुधवार को दंडाधिकारी की मौजूदगी में छात्रा के शव को कब्रिस्तान से बाहर निकाला। पूरे मामले में पुलिस ने संज्ञान लेते हुए एक युवक के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि युवक ने छात्रा को आत्महत्या के लिए दबाव बनाया। जिसके बाद छात्रा ने आत्महत्या कर ली। इधर, दंडाधिकारी की मौजूदगी में कब्रिस्तान से शव को बाहर निकालने के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेज दिया गया।

सीता सोरेन ने झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठाए सवाल

धनबादः भाजपा नेता सीता सोरेन ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, उन्हें अपना इलाज कराना चाहिए। तभी वे स्वास्थ्य विभाग संभाल पाएंगे। गौरतलब है कि दुर्गा सोरेन सेना के स्थापना दिवस के अवसर पर सीता सोरेन अपनी दोनों बेटियों के साथ धनबाद के श्यामडीह पहुंचीं।

हिंदुत्व के एजेंडे पर ही बिहार चुनाव लड़ेगी भाजपा

सभी 101 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा, एक भी मुस्लिम प्रत्याशी नहीं

एजेंसी । पटना

भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने हिस्से की सभी 101 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। इस सूची में खास बात यह है कि एक भी मुस्लिम प्रत्याशी को टिकट नहीं दिया गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन को भी इस बार मैदान में उतारने से परहेज किया गया है, जबकि पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि उन्हें किसी सुरक्षित सीट से मौका मिल सकता है।

बदली हुई राजनीतिक प्राथमिकताएं

विश्लेषकों के मुताबिक, यह बदलाव सिर्फ टिकट वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि भाजपा की बदली हुई राजनीतिक प्राथमिकताओं का हिस्सा है। पार्टी इस बार जातीय समीकरणों से ज़्यादा हिंदुत्व के एजेंडे पर फोकस करती दिख रही है। चुनावी मैदान में यह रणनीति भाजपा के लिए "एकजुट हिंदू मतदाता" के रूप में बड़ा फायदा दिला सकती है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार चुनाव प्रचार की कमान संभाल ली है। उनके भाषणों से भाजपा की यह 'हिंदुत्व पिच' और भी मजबूत होती दिख रही है। योगी के भाषणों में धार्मिक प्रतीक, मंदिर और आस्था से जुड़े संदेश प्रमुखता से शामिल हैं, जिससे भाजपा के कोर वोट बैंक को और सुदृढ़ करने की कोशिश की जा रही है।

शाह की रणनीति

गृह मंत्री अमित शाह ने अगस्त महीने में बिहार के सीतामढ़ी जिले के पुनौरा धाम में माता सीता के मंदिर के निर्माण की आधारशिला रखी थी। सीता से सीतामढ़ी के आसपास के इलाकों में लोगों का भावनात्मक जुड़ाव है। अमित शाह ने इस दौरे में लोगों की इसी नब्ज पर हाथ रखने की कोशिश की। अमित शाह ने कहा कि जिस तरह अयोध्या की पहचान भगवान राम से होती है, उसी तरह सीतामढ़ी की पहचान माता सीता से होती है। ऐसे में माता सीता का भव्य मंदिर पूरे बिहार का गौरव बढ़ाएगा।

सहयोगी दलों ने भी किया परहेज

भाजपा के इस कदम का असर उसके सहयोगी दलों पर भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। लोजपा (आर), हम और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी ने अब तक किसी भी मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया है। यहां तक कि जदयू प्रमुख नीतीश कुमार, जो पहले मुस्लिम समाज को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देते रहे हैं, इस बार केवल चार मुस्लिम प्रत्याशियों को ही मैदान में उतारा है।

बाबा बागेश्वर की सभाओं से शुरू हुई थी तैयारी

भाजपा की यह रणनीति अचानक नहीं बनी। इसके संकेत तब से मिलने लगे थे जब बिहार में बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री की धार्मिक सभाओं का आयोजन किया गया था। इन सभाओं में लोगों से जात-पात छोड़ 'केवल हिंदू' के रूप में अपनी पहचान अपनाने का आग्रह किया गया।

घुसपैठिया विवाद से भी बनी हवा

चुनाव आयोग ने जब बिहार में विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) चलाया, तब विपक्ष ने यही आरोप लगाया था कि इसके निशाने पर गरीब और मुसलमान हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा के इशारे पर गरीबों और मुसलमानों के वोट काटे जा रहे हैं। जबकि प्रधानमंत्री ने यह कहते हुए सीधा हमला किया कि विपक्ष घुसपैठियों के वोट बचाने की कोशिश कर रहा है। मोदी ने कहा कि वे बिहार के लोगों का हक घुसपैठियों को नहीं लेने देंगे। उन्होंने कहा कि घुसपैठिये बिहार के लोगों का हक मार रहे हैं और वे ऐसा होने नहीं देंगे। पीएम के इन बयानों से भी भाजपा की हिंदुत्व पिच मजबूत हुई। बिहार में मुसलमानों की आबादी लगभग 17.70 प्रतिशत है।

संभल हिंसा की स्क्रिप्ट लिखने वालों पर लगेगा एनएसए

एजेंसी । संभल

पिछले साल 24 नवंबर की हिंसा के मामले में पुलिस ने एक्शन शुरू कर दिया है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि इस हिंसा की साजिश का मास्टरमाइंड शारिक साटा है। वह इस वक्त विदेश में है। इंटरपोल की मदद से उसको पकड़ने की कोशिश की जा रही है। संभल पुलिस ने उसके गुर्गों पर शिकंजा कसा है।

पुलिस ने खंगाली मुल्ला अफरोज की क्राइम हिस्ट्री

पुलिस अधीक्षक कुमार विश्नोई ने कहा कि 2014 में मुल्ला अफरोज ने सपा विधायक इकबाल महमूद के घर के बाहर साथियों संग ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। पुलिस की टीम अब उन सभी चेहरों की पहचान कर रही है, जिन्होंने 24 नवंबर की हिंसा को भड़काने की साजिश रची थी। जिन लोगों ने हिंसा की स्क्रिप्ट तैयार की थी, उन्हें भी एनएसए के तहत जेल की सलाखों के पीछे भेजने की तैयारी संभल पुलिस कर रही है।

मुल्ला अफरोज पर एनएसए लगाया गया

संभल पुलिस ने शारिक साटा के खास गुर्गे मुल्ला अफरोज पर एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) के तहत कार्रवाई की है। अफरोज इस वक्त मुरादाबाद जेल में बंद है। उसके खिलाफ 11 मुकदमे दर्ज हैं।

शारिक साटा की तलाश हुई तेज

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि संभल पुलिस अब विदेश में मौजूद शारिक साटा की तलाश में पूरी तरह एक्टिव हो चुकी है। पुलिस और खुफिया एजेंसियां मिलकर उसके विदेशी कनेक्शन खंगाल रही हैं। पता लगाया जा रहा है कि वह किन-किन लोगों के संपर्क में था। अभी किस देश में छिपा है। पुलिस इंटरपोल की मदद शारिक साटा को पकड़ भारत लाना चाहती है।

दिवाली-छठ पर अधिकारियों को नहीं मिलेगी छुट्टी

एजेंसी । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच दिवाली और छठ पूजा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने की तैयारियां तेज है। इस कड़ी में पटना जिला प्रशासन ने कमर कस ली है और सभी अधिकारियों की छुट्टियां अगले आदेश तक रद्द कर दी गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, पटना के डीएम त्यागराजन एस।एम ने सभी अधिकारियों की छुट्टी पर रोक लगा दी है। आदेश के मुताबिक, आगामी 20 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक पटना जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों की छुट्टी पर रोक रहेगी। जिला प्रमंडल प्रखंड स्तर के अधिकारियों की छुट्टी पर रोक लगाई गई है। बता दें कि जिलाधिकारी कार्यालय, पटना की गोपनीय शाखा की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि इस वर्ष दिवाली का त्योहार 20।10।2025 को मनाया जाएगा। इसके बाद आस्था का महापर्व छठ 25।10।2025 को नहाय-खाय से शुरू होकर 28।10।2025 को सुबह अर्ध्य के साथ संपन्न होगा। इस मौके पर विधि-व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए अनुमंडलवार मजिस्ट्रेट की तैनाती की जा रही है।

सरकारीकर्मी एक क्लिक में जान सकेंगे सारी जानकारी

एजेंसी । रांची

झारखंड सरकार के कर्मी अब अपने सेवाकाल की संपूर्ण वित्तीय जानकारी क्लिक में जान सकेंगे। राज्य सरकार के वित्त विभाग ने इस दिशा में पहल शुरू कर दी है। एम्पलाई इंफॉर्मेशन सिस्टम यानी EIS को विकसित करने में जुटे वित्त विभाग ने इस संबंध में सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव

को पत्र भेज कर डीडीओ लेवल बिल मैनेजमेंट सिस्टम में कर्मियों के ऑनलाइन दर्ज विवरणी को संशोधित करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने को कहा है। सरकार की उप सचिव ज्योति कुमारी झा के द्वारा जारी पत्र के अनुसार, डीडीओ बिल मैनेजमेंट सिस्टम में कर्मियों की सेवा पुस्तिका से मिलान करते हुए जन्म तिथि, योगदान की तिथि, सेवानिवृत्ति की तिथि, लिंग, पैन नंबर, वर्ग, पदस्थापन कार्यालय और मूल वेतन को अपडेट करने का निर्देश निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी को अनिवार्य रुप से 30 नवंबर तक करने को कहा गया है।

राजनीतिक पार्टियों को दूरदर्शन पर मिला प्रसारण समय

एजेंसी । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियों को दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो पर प्रसारण समय आवंटित कर दिया है। इसके लिए चुनाव आयोग ने दिशा निर्देश भी जारी किए हैं। चुनाव आयोग ने जनप्रतिनिधि कानून, 1951 की धारा 39ए के तहत राजनीतिक पार्टियों को प्रसारण समय दिया है।

मतदान से दो दिन पहले तक ही होगा प्रसारण

आयोग ने एक आईटी प्लेटफॉर्म की मदद से राजनीतिक पार्टियों को डिजिटल टाइम वाउचर जारी किए हैं। राजनीतिक पार्टियां दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो की मदद से उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित होने के बाद से मतदान से दो दिन पहले तक अपना प्रचार कर सकेंगी। राजनीतिक पार्टियों से प्रसारित किया जाने वाला कंटेंट एडवांस में ही लेकर उसे शेड्यूल कर दिया जाएगा। शेड्यूल ड्रॉ के माध्यम से होगा और ये ड्रॉ बिहार सीईओ की मौजूदगी में होगा।

सिद्ध पीठ हनुमान गढ़ी में दो गुटों में हुआ विवाद

एजेंसी । अयोध्या

राम नगरी में सिद्ध पीठ हनुमान गढ़ी मंदिर के संतों के बीच विवाद सामने आया है। इसमें मारपीट के बाद फायरिंग करने का आरोप लगा है। आरोप है कि संत मामा दास उर्फ प्रभु राम तिवारी ने अपने चार साथियों के साथ हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास के ड्राइवर राजू यादव से मारपीट और गाली गलौज की। उन्होंने विरोध करने पर पिस्टल से फायरिंग भी की।

13 अक्टूबर 2025 की रात में हुई मारपीट

राम जन्मभूमि थाना प्रभारी अभिमन्यु ने कहा कि हनुमानगढ़ी के संत मामा दास समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप कि 13 अक्टूबर 2025 की रात 11 बजे मंदिर परिसर के पास इमली बाग क्षेत्र में गाड़ी खड़ी करने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद यह मामला थाने में पहुंचा।वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास के ड्राइवर राजू यादव ने कहा कि महंत ईमानदार दास इमली बाग आए थे।

ड्राइवर की कलाई में फ्रैक्चर हो गया

इस दौरान मामा दास उर्फ प्रभु राम तिवारी के साथ चार और सहयोगी संत मनोज दास, आशीष दास, हनुमान दास और जितेंद्र दास वहां पहुंचे। उन्होंने लाठी डंडे से राजू यादव को पीटना शुरू कर दिया। उसके सिर पर चोटें लगीं और हाथ की कलाई टूट गई। ड्राइवर के साथ हुई मारपीट से वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास नाराज हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की। राम जन्मभूमि थाना प्रभारी अभिमन्यु ने कहा कि दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी।

व्यापार जगत

विप्रो को 3,246 करोड़ का मुनाफा,सालाना 1.5% बढ़ा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

IT सर्विस प्रोवाइड करने वाली कंपनी विप्रो का जुलाई-सितंबर तिमाही में कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 1.2% बढ़कर 3,246 रुपए करोड़ रहा। पिछले साल की समान तिमाही में ये 3,209 करोड़ रुपए रहा था। विप्रो ने गुरुवार को फाइनेंशियल ईयर 2026 की दूसरी तिमाही (Q2FY26) यानी जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। कंपनियों के रिजल्ट दो भाग में आते हैं- स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक यूनिट का वित्तीय प्रदर्शन दिखाया जाता है, जबकि कॉन्सोलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी की रिपोर्ट दी जाती है।

विप्रो के रिजल्ट से जुड़ी 3 बड़ी बातें:

विप्रो का कॉन्सोलिडेटेड रेवेन्यू सालाना आधार पर 2% बढ़कर 22,697 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 22,302 करोड़ रुपए रहा था। विप्रो का एट्रिशन रेट 14.5% से बढ़कर 14.9% हो गया है। यानी पिछले साल की सामान तिमाही से कर्मचारियों की संख्या 2,000 तक बढ़ गई है। विप्रो का शेयर 1.39% की तेजी के साथ 253 रुपए पर बंद हुआ। इस साल में विप्रो के शेयर ने निवेशकों को -15.52% का नेगेटिव रिटर्न दिया है। इसका मार्केट कैप 2.66 लाख करोड़ रुपए है। विप्रो लिमिटेड एक लीडिंग टेक्नोलॉजी सर्विसेज और कंसलटिंग कंपनी है। 65 देशों में इसकी प्रेजेंस है। अजीम प्रेमजी को 1966 में 21 साल की उम्र में अपने पिता से विप्रो का कंट्रोल विरासत में मिला था।

जोमैटो की कमाई 3 गुना बढ़ी, फिर भी मुनाफा घटा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

ऑनलाइन फूड डिलिवरी कंपनी जोमैटो (इटरनल लिमिटेड) को वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (Q2FY26) में 65 करोड़ रुपए का मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। यह पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 63% कम है। Q2FY25 में कंपनी को 176 करोड़ का प्रॉफिट हुआ था। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी ने 13,590 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया, जो पिछले साल के समान तिमाही के 4,799 करोड़ रुपए से 184% (करीब तीन गुना) ज्यादा है। वस्तुओं और सेवाओं के बेचने से मिलने वाली राशि रेवेन्यू होता है।

19वीं सबसे बड़ी कंपनी है जोमैटो

तिमाही नतीजों के बाद जोमैटो का शेयर आज (16 अक्टूबर) 3.91% गिरकर 340.50 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 368.20 के स्तर तक चला गया था। कंपनी के शेयर ने बीते 4.03%, 6 महीने में 53.32%, एक साल में 24.16% और इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 23.15% का रिटर्न दिया है। जोमैटो की पेरेंट कंपनी इटरनल है। 3.16 लाख करोड़ रुपए मार्केट कैप के साथ यह देश की 19वीं सबसे बड़ी कंपनी है।

दिवाली से पहले शेयर बाजार गुलजार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अमेरिकी फेड की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के चलते गुरुवार को शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुए। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 826.23 अंक या 1.04 प्रतिशत उछलकर 83,467.66 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,010.05 अंक या 1.22 प्रतिशत बढ़कर 83,615.48 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 261.75 अंक या 1.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,585.30 पर आ गया। घरेलू आय में सुधार और नए विदेशी निवेश के कारण वित्तीय और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के शेयरों में मजबूती से सेंसेक्स और निफ्टी ने व्यापक बढ़त हासिल की।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, अडानी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी बैंक प्रमुख लाभ में रहे। वहीं, इटर्नल और इंफोसिस पिछड़ गए। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.49 प्रतिशत, जापान का निक्केई 225 सूचकांक 1.27 प्रतिशत और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक 0.10 प्रतिशत बढ़ा। हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर बढ़त के साथ बंद हुए।

इंडियन बैंक का दूसरी तिमाही में मुनाफा 11.5 फीसदी बढ़कर 3,018 करोड़ रुपए

एजेंसी । नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 11.53 फीसदी बढ़कर 3,018 करोड़ रुपए पर हो गया। बैंक ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 2,706 करोड़ रुपए का एकल शुद्ध लाभ अर्जित किया था। इंडियन बैंक ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बैंक का ब्याज आय बढ़कर 11,964 करोड़ रुपए हो

गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 11,125 करोड़ रुपए थी। इसके अलावा बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) दूसरी तिमाही में बढ़कर 2.60 फीसदी हो गईं, जो सितंबर 2024 में कुल ऋणों का 3.48 फीसदी थीं। इंडियन बैंक सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है, जिसकी स्थापना 1907 में हुई थी।

नेस्ले इंडिया का दूसरी तिमाही में मुनाफा 17.37 फीसदी घटकर 743.17 करोड़ रुपए

एजेंसी । नई दिल्ली

दैनिक उपभोग का घरेलू सामान बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर को समाप्त जुलाई-सितंबर तिमाही में नेस्ले का एकीकृत शुद्ध लाभ 17.37 फीसदी घटकर 743.17 करोड़ रुपए रह गया। कंपनी ने इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान 899.5 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था।

कंपनी का राजस्व 11 फीसदी बढ़कर 5,630.23 करोड़ रुपए हुआ

नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी का राजस्व 11 फीसदी बढ़कर 5,630.23 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 5,074.76 करोड़ रुपए था। इस दौरान कंपनी का कुल खर्च 12.9 फीसदी बढ़कर 4,616.73 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में नेस्ले इंडिया की घरेलू बिक्री 10.8 फीसदी बढ़कर 5,411.02 करोड़ रुपए हो गई, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 4,883.14 करोड़ रुपए थी।

जियो फाइनेंशियल का दूसरी तिमाही में 695 करोड़ रुपए की बढ़ोत्तरी

मुंबई। जियो फाइनेंशियल ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए। कंपनी ने बताया कि इस तिमाही में कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ 325 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल इसी अवधि में 313 करोड़ रुपये था। यह 3.8 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

शुल्क, कमीशन और अन्य सेवाओं से राजस्व

कंपनी ने शुल्क, कमीशन और अन्य सेवाओं से 140 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया। यह वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के 54 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही के 41 करोड़ रुपये के मुकाबले काफी अधिक है। जियो फाइनेंशियल का खर्च वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में बढ़कर 436.50 करोड़ रुपये हो गया।

परिचालन राजस्व में जबरदस्त उछाल

कंपनी का परिचालन राजस्व 47 प्रतिशत बढ़कर 612 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले यह 418 करोड़ रुपये था। यह वृद्धि वित्त वर्ष 25 की जनवरी-मार्च तिमाही में दर्ज 493 करोड़ रुपये के मुकाबले 24 प्रतिशत अधिक है।

टैक्स के बाद लाभ (PAT) और ब्याज आय

टैक्स के बाद लाभ (PAT) में क्रमिक आधार पर 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 316 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में ब्याज आय 392 करोड़ रुपये रही, जो पहली तिमाही में 363 करोड़ और पिछले साल की इसी तिमाही में 205 करोड़ रुपये थी।

अभिषेक शर्मा बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

टी-20 में नंबर-1 बैटर, एशिया कप में 314 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे

दुबई। भारत के लेफ्ट हैंड बैटर अभिषेक शर्मा को ICC ने सितंबर का ICC प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया है। पिछले महीने टी-20 एशिया कप में उन्होंने ओपनिंग करते हुए भारत को 7 में से 6 मुकाबलों में तेज और मजबूत शुरुआत दिलाई थीं। 314 रन बनाने के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी मिला था। विमेंस क्रिकेट में भारत ही की लेफ्ट हैंड बैटर स्मृति मंधाना प्लेयर ऑफ द मंथ बनीं। उन्होंने पाकिस्तान की सिद्रा अमीन और साउथ अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स को हराया।

कुलदीप और ब्रायन बेनेट को पीछे छोड़ा

अभिषेक शर्मा ने ICC के मंथली अवॉर्ड की रेस में भारत के ही चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव और जिम्बाब्वे के ओपनिंग बैटर ब्रायन बेनेट को पीछे छोड़ा। कुलदीप ने भी एशिया कप में ही 17 विकेट अपने नाम किए थे। वहीं बेनेट ने टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर में शतक लगाया था।

अवॉर्ड पाकर खुश हूं : अभिषेक

अवॉर्ड जीतने के बाद अभिषेक ने ICC से कहा, 'अवॉर्ड जीतकर अच्छा लग रहा है। खुश हूं कि अहम मुकाबलों में परफॉर्मेंस के बाद यह अवॉर्ड मिला। मैं उस टीम का हिस्सा बनकर खुश हूं, जो किसी भी सिचुएशन में जीतने का दम रखती है। टी-20 में बेहतरीन रिकॉर्ड टीम के पॉजिटिव माइंडसेट को दर्शाता है। मैं टीम मैनेजमेंट को धन्यवाद देता हूं।'

एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ फिफ्टी लगाई

एशिया कप 2025 में चैंपियन टीम इंडिया ने 7 मैच खेले। 6 मुकाबलों में अभिषेक शर्मा ने 30 से ज्यादा रन बनाए। 3 बार उन्होंने फिफ्टी भी लगाईं। इनमें पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-4 स्टेज के मैच में 74 और बांग्लादेश के खिलाफ 75 रन की पारी भी शामिल रहीं। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने के साथ उन्होंने सबसे ज्यादा बाउंड्री भी लगाईं। उनका स्ट्राइक रेट 200 का रहा।

मंधाना विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ

विमेंस क्रिकेट में भारत की ही स्मृति मंधाना को सितंबर महीने के लिए ICC ने प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 वनडे में 2 सेंचुरी और 1 फिफ्टी लगाई थी। तीसरे वनडे में उनका शतक महज 50 गेंद पर आया था। मंधना ने पाकिस्तान की सिद्रा अमीन और साउथ अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स को हराया। सितंबर में मंधाना ने 4 वनडे खेले और 77 की औसत से 308 रन बनाए। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुनी गई थीं। इसी महीने वे वनडे में 13 सेंचुरी लगाने वाली प्लेयर भी बनीं। वे अब बस ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग से पीछे हैं, जिनके नाम 15 वनडे शतक हैं।

अभिषेक टी-20 के नंबर-1 बल्लेबाज

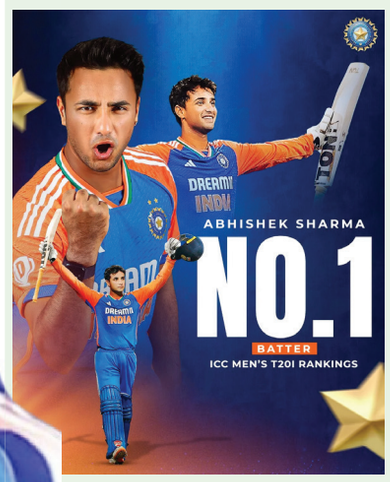

अभिषेक टी-20 बैटर्स की ICC रैंकिंग में नंबर-1 पर भी हैं। वे टी-20 रैंकिंग इतिहास में सबसे ज्यादा 931 पॉइंट्स हासिल करने वाले बल्लेबाज भी बने थे। एशिया कप में प्रदर्शन के दम पर ही वे इस रेटिंग तक पहुंच सके थे। उनसे पहले इंग्लैंड के डेविड मलान के नाम यह रिकॉर्ड था, जिन्होंने 2020 में 919 पॉइंट्स हासिल किए थे। भारत से अभिषेक के अलावा सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली ही 900 प्लस रेटिंग पॉइंट्स तक पहुंच सके हैं। टी-20 इंटरनेशनल में अभिषेक के नाम 196.07 के स्ट्राइक रेट से 849 रन हैं। वे 24 ही मुकाबलों में 5 फिफ्टी और 2 शतक लगा चुके हैं। उन्होंने 2024 में जिम्बाब्वे के खिलाफ डेब्यू किया था। वे IPL में 2016 की चैंपियन सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड के साथ ओपनिंग करते हैं।

टेस्ट, वनडे और टी-20 के बाद क्रिकेट में हुई नए फॉर्मेट की एंट्री

'टेस्ट ट्वेंटी' होगा नया प्रारूप

आधिकारिक तौर पर 'टेस्ट ट्वेंटी' प्रारूप का हुआ अनावरण

एजेंसी । दुबई

विश्व भर में क्रिकेट टेस्ट, टी-20 और वनडे प्रारूप में खेला जाता है। अब खबर है कि क्रिकेट चौथे प्रारूप में भी खेले जाने के लिए तैयार है। दिलचस्प रूप से खेल उद्यमी गौरव बहिरवानी ने आधिकारिक तौर पर 'टेस्ट ट्वेंटी' प्रारूप का अनावरण किया। बता दें कि एबी डिविलियर्स, क्लाइव लॉयड, मैथ्यू हेडन और हरभजन सिंह इस सलाहकार बोर्ड का हिस्सा हैं।

जनवरी 2026 में शुरू होगा पहला सीजन

- इस प्रारूप के संस्थापक बहिरवानी ने बताया कि चैंपियनशिप का पहला सीजन जनवरी 2026 में जूनियर टेस्ट टी-20 चैंपियनशिप के नाम से शुरू होगा।
- शुरुआत में यह सिर्फ 13 से 19 साल के लड़कों के लिए होगा, लेकिन दूसरे सीजन से यह युवा लड़कियों के लिए भी दरवाजे खोल देगा।
- बहिरवानी ने कहा, विजेता टीम को एक ताज प्रदान किया जाएगा। इसका उद्देश्य क्रिकेट के महान खिलाड़ियों और अत्याधुनिक तकनीक के जरिए उन्नति करना है।

कैसा है 'टेस्ट ट्वेंटी' का प्रारूप?

टेस्ट ट्वेंटी एक नया प्रारूप है जिसमें प्रत्येक टीम एक ही दिन में 2 पारियां खेलेंगी और मैच में कुल 80 ओवर होंगे। टी-20 की तेजी के साथ ही टेस्ट क्रिकेट की रणनीति भी इस प्रारूप में देखने को मिलेगी। चूंकि ये मैच सिर्फ 1 ही दिन का होगा, तो इसमें टेस्ट और टी-20 प्रारूप दोनों के कुछ नियम शामिल होंगे। दिलचस्प रूप से मैच का नतीजा जीत, हार, टाई या ड्रॉ किसी भी रूप में हो सकता है

पूर्व दिग्गजों ने किया समर्थन

डिविलियर्स, क्लाइव लॉयड और हरभजन जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने इस नए प्रारूप का भरपूर समर्थन किया है। डिविलियर्स ने इस प्रारूप को लेकर कहा कि यह मानसिक और भावनात्मक संतुलन सिखाता है। असफलता से मत डरो, अपना सर्वस्व देने के लिए तैयार रहो। पूर्व कैरेबियाई दिग्गज लॉयड ने प्रारूप की प्रशंसा करते हुए कहा कि टी-20 एक प्रदर्शनी है, टेस्ट क्रिकेट एक परीक्षा है। मुझे इस प्रारूप में कोई कमी नहीं दिखती।

ग्लेन मैक्सवेल बनेंगे कोच

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल अब कोचिंग की भूमिका में नजर आने वाले हैं। दरअसल, वे ऑस्ट्रेलिया की टी-20 लीग महिला बिग बैश लीग (WBBL) में मेलबर्न स्टार्स टीम के साथ सहायक कोच की भूमिका के रूप में जुड़ने वाले हैं। न्यूजीलैंड में गेंदबाजी करते समय मैक्सवेल के हाथ में चोट लग गई थी, जिसके कारण वे क्रिकेट से दूर हैं। इसके बाद उन्होंने कोचिंग में हाथ आजमाने का फैसला किया। 37 वर्षीय मैक्सवेल अगले हफ्ते होने वाले टी-20 स्प्रिंग चैलेंज 2025-26 के लिए मेलबर्न स्टार्स से जुड़ेंगे। वे स्टार्स के मुख्य कोच एंडी क्रिस्टी के साथ यह भूमिका निभाते नजर आएंगे। कोच के रूप में उनका पहला मैच 21 अक्टूबर को एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ होगा, क्योंकि इसी दिन से टी-20 स्प्रिंग चैलेंज 2025-26 की शुरुआत होने वाली है। बता दें, WBBL 2025 का पहला मैच 9 नवंबर को खेला जाएगा। मैक्सवेल वनडे क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। हालांकि, वे ऑस्ट्रेलिया की टी-20 टीम का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे में उनका कोचिंग में की तरफ रुख करना, उनका खेल के बाद के करियर के विकल्पों को तलाशने के रूप में देखा जा रहा है। बता दें, मैक्सवेल टी-20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया के लिए तीसरे सबसे ज्यादा (2,833) रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस प्रारूप में रोहित शर्मा के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा शतक (5) लगाए हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ जुड़े केन विलियमसन

लखनऊ। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) का रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। 35 वर्षीय विलियमसन, जहीर खान की जगह लेंगे, जो 2024 सीजन में टीम के मेंटर थे। गौरतलब है कि विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लिया है, लेकिन फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्होंने न्यूजीलैंड के केंद्रीय अनुबंध से हटने का फैसला किया है। एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने विलियमसन की रणनीतिक सोच और नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा करते हुए इसकी घोषणा की। गोयनका ने कहा, केन सुपर जायंट्स परिवार का हिस्सा रहे हैं और LSG के रणनीतिक सलाहकार के रूप में उनकी नई भूमिका में उनका स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। उनकी नेतृत्व क्षमता, रणनीतिक अंतर्दृष्टि, खेल की गहरी समझ और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें टीम के लिए एक अमूल्य योगदान बनाती है। विलियमसन का IPL का सफर चोटों से भरा रहा है। विलियमसन 2015 से 2022 तक सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक अहम बल्लेबाज रहे। इसके बाद IPL 2023 में उन्हें गुजरात टाइटंस ने 2 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था। हालांकि, वे उस सीजन केवल 3 मैच ही खेल पाए और चोटिल हो गए। उन्होंने अब तक 79 मैचों में 35.47 की औसत और 125.62 का स्ट्राइक रेट से 2,128 रन बनाए हैं। उनके नाम 18 अर्धशतक हैं।

बॉलीवुड

रेमो डिसूज़ा की नई फिल्म 'डोंगरी गैंगस्टर्स पैराडाइज' का ऐलान

बॉलीवुड के मशहूर कोरियोग्राफर और फिल्म निर्देशक रेमो डिसूज़ा एक बार फिर निर्देशन की कुर्सी पर लौट रहे हैं, और इस बार वह लेकर आए हैं एक दमदार विषय, मुंबई अंडरवर्ल्ड। उनकी अगली फिल्म का नाम है 'डोंगरी गैंगस्टर्स पैराडाइज', जिसकी आधिकारिक घोषणा हाल ही में की गई है। रेमो की पिछली फिल्म 'बी हैप्पी' में अभिषेक बच्चन मुख्य भूमिका में थे, लेकिन इस बार निर्देशक एक गहरे, तीखे और सच्चे मुंबई अंडरवर्ल्ड की कहानी को पर्दे पर उतारने के लिए तैयार हैं।

अंडरवर्ल्ड की सच्ची झलक दिखाएगी रेमो की नई फिल्म

रेमो ने सोशल मीडिया पर फिल्म की एक झलक शेयर करते हुए लिखा, मुंबई अंडरवर्ल्ड फिर से उठ खड़ा हुआ पेश है 'डोंगरी गैंगस्टर पैराडाइज', मुंबई के दिल से एक कच्चा, भावनात्मक और विस्फोटक एक्शन ड्रामा। इस लाइन से ही फिल्म के टोन और इरादे साफ झलकते हैं। पोस्टर और टीजर में दिखाया गया डोंगरी इलाका, उसके गली-कूचों का माहौल और गूंजता हुआ अंडरवर्ल्ड टोन दर्शकों में रोमांच पैदा कर रहा है।

अगले साल सिनेमाघरों में आएगी फिल्म

'डोंगरी गैंगस्टर्स पैराडाइज' 9 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के कलाकारों की घोषणा फिलहाल गोपनीय रखी गई है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि रेमो ने इसके लिए कुछ सशक्त और दमदार चेहरों को चुना है। फिल्म के संगीत, सिनेमैटोग्राफी और एक्शन सीक्वेंस को लेकर टीम पहले से ही खास तैयारी में जुटी है। रेमो डिसूजा की यह फिल्म न केवल उनके करियर का नया अध्याय साबित हो सकती है, बल्कि मुंबई अंडरवर्ल्ड पर आधारित सिनेमा को भी एक नई पहचान दे सकती है। उम्मीद की जा रही है कि 'डोंगरी गैंगस्टर्स पैराडाइज' भारतीय सिनेमा में एक बार फिर रॉ और रियल अंडरवर्ल्ड ड्रामा का दौर शुरू कर देगी।

'जटाधरा' का मोशन पोस्टर रिलीज

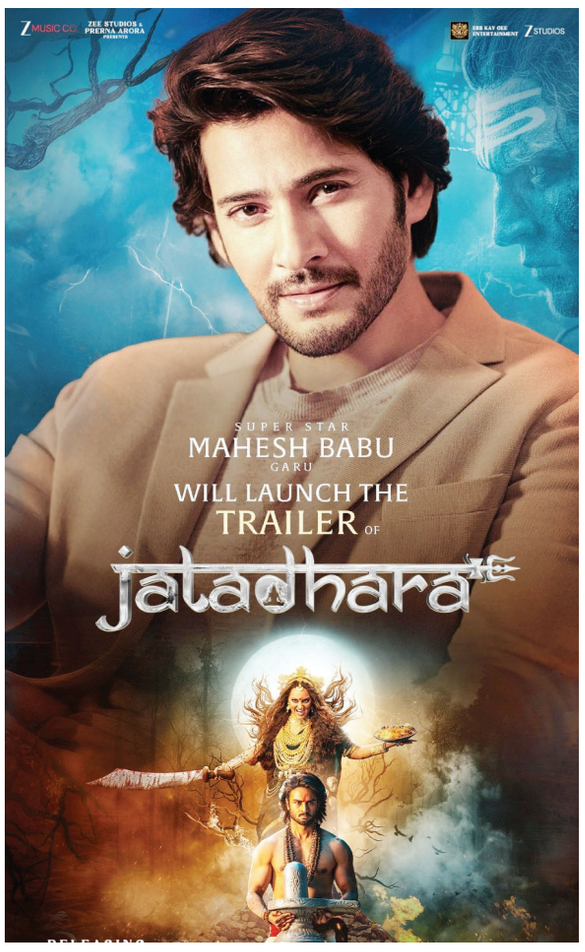

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जटाधरा' इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। पौराणिक थ्रिलर जॉनर पर आधारित इस फिल्म का टीज़र कुछ समय पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त चर्चा का विषय बना था। अब मेकर्स ने 16 अक्टूबर को फिल्म का नया मोशन पोस्टर जारी कर दिया है, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को और बढ़ा दिया है। इसके साथ ही फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट का भी खुलासा कर दिया गया है। 'जटाधरा' का मोशन पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, जटाधारा की शक्ति प्रकट होगी। दिव्यता के लिए तैयार हो जाइए। जटाधारा का ट्रेलर 17 अक्टूबर को रिलीज होगा। गौरतलब है कि 'जटाधरा' 7 नवंबर, 2025 को तेलुगु और हिंदी भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। पोस्टर में सोनाक्षी सिन्हा का रौद्र रूप एक बार फिर सबका ध्यान खींच रहा है। उनकी आंखों में तीव्रता और चेहरे पर दिव्य आभा फिल्म के रहस्यमय वातावरण की झलक देती है। वहीं सुधीर बाबू अपने किरदार में बेहद प्रभावशाली नज़र आ रहे हैं, गले में रुद्राक्ष की माला, माथे पर तिलक, और हाथ में त्रिशूल थामे वे एक दिव्य योद्धा के रूप में दिखाई दे रहे हैं। फिल्म के निर्देशक वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल ने बताया है कि 'जटाधरा' केवल एक फिल्म नहीं बल्कि एक आध्यात्मिक अनुभव है, जिसमें भारतीय पौराणिक कथाओं को आधुनिक दृष्टिकोण के साथ पेश किया गया है। कहानी में रहस्य, शक्ति और भक्ति का अनोखा संगम देखने को मिलेगा।

'मिर्जापुर : द फिल्म' के सेट से वीडियो लीक

देश की सबसे लोकप्रिय वेब सीरीज़ में से एक 'मिर्जापुर' अब बड़े पर्दे पर दस्तक देने को तैयार है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेज़न स्टूडियोज़ ने मिलकर इस ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइज़ को फिल्म रूप में पेश करने का ऐलान किया है। नई फिल्म का शीर्षक होगा 'मिर्जापुरः द फिल्म'। इसे क्रिएट किया है पुनीत कृष्णा ने, जबकि निर्देशन की कमान गुरमीत सिंह संभाल रहे हैं। 'मिर्जापुर' ने अपने दो सीज़न के जरिए दर्शकों के बीच जो लोकप्रियता हासिल की, वह किसी रिकॉर्ड से कम नहीं थी। शो के किरदार, संवाद और कहानी ने भारतीय ओटीटी इतिहास में एक नई पहचान बनाई। इस बीच फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में फैंस अपने पसंदीदा किरदारों में कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) और गुड्डू पंडित (अली फज़ल) को एक बार फिर साथ देखकर झूम उठे हैं। वाराणसी के रामनगर किले और पुरानी गलियों में चल रही शूटिंग की झलकियों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। फिल्म में पंकज त्रिपाठी और अली फज़ल के साथ-साथ दिव्येंदु शर्मा (मुन्ना त्रिपाठी) और अभिषेक बनर्जी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

दीपिका पादुकोण बनीं 'मेटा एआई' की भारतीय आवाज

भारत की पहली 'मेंटल हेल्थ एंबेसडर' बनने के बाद अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अब एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। दीपिका को मेटा एआई की नई आवाज के रूप में पेश किया गया है। अभिनेत्री ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर कर इस खुशखबरी की जानकारी दी, जिससे उनके फैंस बेहद उत्साहित हैं। दीपिका ने इंस्टाग्राम पर रिकॉर्डिंग स्टूडियो से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहती हैं, मैं मेटा एआई की नई आवाज़ हूं। क्या आप तैयार हैं? वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, ये वाकई बहुत मजेदार है। अब मैं मेटा एआई का हिस्सा हूं, और आप भारत, अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में मेरी आवाज़ में इंग्लिश में चैट कर सकते हैं। इसे आज़माएं और बताएं कैसा लगा। दीपिका की इस सफलता पर फैंस ने सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़ ला दी। एक यूजर ने लिखा, हर दिन एक नई उपलब्धि। वहीं दूसरे ने कहा, आपकी आवाज़ बेहद सुकून देने वाली है। एक अन्य फैन ने लिखा, वह एक सच्ची ग्लोबल आइकॉन हैं, मेटा ने सही चुनाव किया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका इन दिनों शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' और अल्लू अर्जुन के साथ नई फिल्म को लेकर भी सुर्खियों में हैं।

गुजरात में सभी मंत्रियों ने दिया इस्तीफा

- आज होगा राज्य कैबिनेट का विस्तार
- नए चेहरों पर फोकस, दो डिप्टी सीएम हो सकते हैं

एजेंसी । अहमदाबाद

गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाले गुजरात मंत्रिमंडल का विस्तार शुक्रवार को होगा। वहीं इससे पहले आज राज्य के सभी मंत्रियों ने अपने पदों से इस्तीफा सौंप दिया है। वहीं कैबिनेट विस्तार को लेकर एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने पहले बताया था कि आगामी मंत्रिमंडल विस्तार में राज्य को लगभग 10 नए मंत्री मिल सकते हैं, और लगभग आधे मौजूदा मंत्रियों को बदला जा सकता है। भूपेंद्र पटेल ने 12 दिसंबर, 2022 को दूसरी बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

11.30 बजे कैबिनेट विस्तार

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मंत्रिमंडल का विस्तार शुक्रवार सुबह 11:30 बजे होगा। वर्तमान गुजरात मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री पटेल समेत कुल 17 मंत्री हैं। इसमें आठ कैबिनेट स्तर के मंत्री हैं, जबकि इतने ही राज्य मंत्री (एमओएस) हैं। बता दें कि, 182 सदस्यीय विधानसभा वाले गुजरात में 27 मंत्री या सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत मंत्री हो सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में, गुजरात सरकार में राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल की जगह भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के नए अध्यक्ष बने।

कांग्रेस से आए नेताओं को मिल सकता है मंत्रीपद

नए मंत्रिमंडल में 16 में से 7-10 मंत्रियों को ड्रॉप और 3-5 मंत्री रिपीट किए जा सकते हैं। नए चेहरों में कांग्रेस से आए अर्जुन मोढवाड़िया, अल्पेश ठाकोर, सीजे चावड़ा और हार्दिक पटेल को मौका मिल सकता है। सौराष्ट्र से जयेश रादडिया और जीतू वाघानी को मंत्रिमंडल में जगह मिलना तय है। खासकर पाटीदारों और उत्तर गुजरात से ठाकोर समुदाय को तवज्जो दी जाएगी। इसके अलावा, जिन राज्य मंत्रियों को हटाए जाने की संभावना है, उनमें मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम सोलंकी, पंचायत मंत्री बच्चूभाई खाबर, वन एवं पर्यावरण मंत्री मुकेश पटेल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री भीखूसिंह परमार और आदिवासी विकास मंत्री कुंवरजी हलपति शामिल हैं।

इस्तीफा की 4 वजहें

तीन साल से कोई बदलाव नहीं

2022 में भूपेंद्र पटेल को फिर से मुख्यमंत्री बनाया गया। इसके बाद तीन साल से मंत्रिमंडल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दो साल बाद 2027 में चुनाव होने हैं। इस अभी से चुनाव की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है।

कई मंत्रियों के कामकाज से आलाकमान संतुष्ट नहीं

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि मौजूदा सरकार के ज्यादातर मंत्री भाजपा आलाकमान की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं। इसके अलावा, हाल ही में हुए विसावदर विधानसभा उपचुनाव में मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समेत ज्यादातर नेता AAP के गोपाल इटालिया को हराने के लिए विसावदर गए थे। इसके बाद भी विसावदर सीट नहीं जीत पाए। मंत्रिमंडल के विस्तार में इसका भी असर दिखाई देगा।

पुराने दिग्गजों को वापस लाने की तैयारी

राजनीतिक चर्चा है कि 2027 में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने विसावदर सीट जीतकर भाजपा को चिंता में डाल दिया है। इसलिए भाजपा भी अब कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती। भाजपा में ताकतवर माने जाने वाले लेकिन लंबे समय से किसी न किसी वजह से दरकिनार किए गए नेताओं को अब बड़े पद दिए जाएंगे और नई जिम्मेदारियां दी जाएंगी। आगे और नुकसान न हो, इसके लिए कुछ पुराने दिग्गजों को भी फिर से मौका मिल सकता है।

सत्ता विरोधी लहर से बचने के लिए मंत्रिमंडल विस्तार

नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के बाद से गुजरात सरकार में लगातार बदलाव हुए हैं। आनंदीबेन पटेल और विजय रूपाणी सरकारों के अचानक इस्तीफे और अब मौजूदा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सरकार में बदलाव। ये सारे बदलाव तभी हुए हैं, जब गुजरात की जनता में सत्ता विरोधी लहर का असर महसूस होने लगा।

स्कूलों-कॉलेजों में आरएसएस की गतिविधियों पर लगेगा बैन

- कर्नाटक कैबिनेट का फैसला, नया कानून जल्द

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने सरकारी स्कूलों और कॉलेज परिसरों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की गतिविधियों को रोकने के लिए नियम लाने का फैसला किया है। राज्य के मंत्री प्रियांक खरगे ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि गुरुवार को कर्नाटक कैबिनेट ने राज्य के सरकारी स्कूलों और कॉलेजों के परिसरों में RSS की गतिविधियों को रोकने के लिए नियम लाने का फैसला किया है। खरगे की यह टिप्पणी कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की उस टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने एक दिन पहले ही कहा था कि उनकी सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि कैसे सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी संगठन लोगों को परेशान न करे।

खरगे ने सीएम सिद्धारमैया को लिखी थी चिट्ठी

कर्नाटक कैबिनेट के इस फैसले से राज्यभर के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों और कॉलेजों के परिसरों में अब आरएसएस की बैठकों और अन्य गतिविधियों पर प्रतिबंध लगने की संभावना है। RSS केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा की मातृ संस्था कही जाती है। बता दें कि प्रियांक खरगे ने ही मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी मंदिरों में आरएसएस की गतिविधियों पर रोक लगाने का आग्रह किया था।

धमकी देने पर एक व्यक्ति गिरफ्तार

इस बीच, बेंगलुरु पुलिस ने महाराष्ट्र के एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर प्रियांक खरगे को फोन किया था और सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस की गतिविधियों को बैन करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को पत्र लिखने को लेकर उनके खिलाफ अभद्र टिप्पणियां कीं। इस आरोपी ने जब खरगे को फोन किया था तब मंत्री ने इस बातचीत का वीडियो बना लिया था। उसके बाद सदाशिवनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके बाद 'बेंगलुरु सेंट्रल डिवीजन' और कलबुर्गी पुलिस के संयुक्त अभियान में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

न्यूज़ ब्रीफ

नौसेना प्रमुख ने समुद्री साइबर खतरों पर चिंता जताई

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने समुद्री क्षेत्र में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सचेत करते हुए कहा कि डिजिटल क्रांति जहां एक ओर अभूतपूर्व दक्षता ला रही है, वहीं यह नई कमजोरियां भी उत्पन्न कर रही है। साइबर सुरक्षा संगोष्ठी में बोलते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा कि जैसे-जैसे समुद्र स्मार्ट बंदरगाहों, एआई-संचालित रसद और स्वायत्त नेविगेशन द्वारा संचालित 'डेटा महासागर बनते जा रहे हैं, हर पोत और बंदरगाह टर्मिनल अब एक असुरक्षित तैरता हुआ कंप्यूटर नेटवर्क बन गया है।

पत्नी को एनेस्थीसिया देकर मारने वाला डॉक्टर गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने 29 साल की डर्मेटोलॉजिस्ट की मौत के लगभग छह महीने बाद उसके पति को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि विक्टोरिया अस्पताल के गैस्ट्रो-सर्जन 31 साल के डॉ. महेंद्र रेड्डी को पत्नी डॉ. कृतिका एम रेड्डी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। कृतिका के पिता, के मुनिरेड्डी की शिकायत के आधार पर मराठाहल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

सीजेआई पर जूता फेंकने वाले वकील पर अवमानना का केस

नई दिल्ली। अटॉर्नी जनरल ने भारत के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले एक वकील के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करने की परमिशन दे दी है। यह जानकारी गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को दी गई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन प्रमुख विकास सिंह ने जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जयमाल्या बागची की बेंच से सुनवाई की अपील की है। सिंह ने कहा कि 6 अक्टूबर को हुई इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर उन्माद फैल गया है। यह सुप्रीम कोर्ट की अखंडता और गरिमा को ठेस पहुंचा रहा है। आरोपी को भी पछतावा नहीं है।

पंजाब के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर गिरफ्तार

- 5 लाख की घूस लेने के आरोप में सीबीआई ने किया गिरफ्तार
- घर से करोड़ों का कैश मिला, 3 बैग और 1 अटैची में भरा था

एजेंसी । चंडीगढ़

पंजाब में रोपड़ रेंज के DIG हरचरण सिंह भुल्लर को सीबीआई ने गुरुवार (16 अक्टूबर, 2025) दोपहर गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी एक हाई प्रोफाइल रिश्वत मामले से जुड़ी बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि मंडी गोबिंदगढ़ के एक स्क्रैप कारोबारी ने DIG पर 5 लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने इस पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

रंगे हाथ घूस लेते गिरफ्तार किया गया

सीबीआई सूत्रों के अनुसार, DIG को रंगे हाथ रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। फतेहगढ़ साहिब के रहने वाले शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि DIG भुल्लर ने एक मामले को निपटाने के लिए बड़ी रकम की मांग की थी और उसे पहली किस्त देने के लिए मोहाली ऑफिस बुलाया था। इस सूचना के आधार पर सीबीआई की टीम ने छापेमारी की और मौके पर ही DIG को गिरफ्तार कर लिया।

लंबे समय से मिल रही थी शिकायतें

सीबीआई को इस वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि वह मामलों में राहत दिलाने के बदले पैसे की मांग करते थे। इसी जानकारी के आधार पर एजेंसी ने पहले से जाल बिछाया और योजना के मुताबिक ट्रैप ऑपरेशन को अंजाम दिया। जैसे ही अधिकारी ने 5 लाख रुपये की रिश्वत ली, सीबीआई की टीम ने मौके पर धावा बोलकर उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में नकदी के बंडल बरामद होने की भी जानकारी सामने आई है।

दफ्तर और आवास पर भी छापेमारी

गिरफ्तारी के बाद टीम ने डीआईजी के दफ्तर और आवास पर छापेमारी की। जांचकर्ताओं को संदेह है कि यहां से भ्रष्टाचार से अर्जित संपत्ति के दस्तावेज मिल सकते हैं। सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

अबूझमाड़ और उत्तरी बस्तर नक्सल मुक्त घोषित

बस्तर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तरी बस्तर को नक्सल मुक्त घोषित कर दिया है। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया पर दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तरी बस्तर, जो कभी आतंकवादियों के गढ़ थे, आज नक्सली आतंक से मुक्त घोषित कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अब दक्षिण बस्तर में बाकी है, जिसे हमारे सुरक्षा बल जल्द जड़ से मिटा देंगे।

शाह ने एक दूसरे पोस्ट में लिखा, 'नक्सलवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में एक ऐतिहासिक दिन। छत्तीसगढ़ में 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। कल राज्य में 27 ने हथियार डाल दिए थे। महाराष्ट्र में, कल 61 नक्सली मुख्यधारा में लौट आए। कुल मिलाकर, पिछले दो दिनों में 258 युद्ध-प्रशिक्षित वामपंथी उग्रवादियों ने हिंसा का त्याग किया है। मैं हिंसा का त्याग करने और भारत के संविधान में विश्वास रखने के उनके निर्णय की सराहना करता हूं।' शाह ने आगे लिखा कि जनवरी, 2024 से छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद, 2,100 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, 1,785 गिरफ्तार हुए और 477 मारे गए हैं। उन्होंने दोहराया कि ये आंकड़े 31 मार्च, 2026 से पहले देश से नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के प्रयासों से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें ले रहा है।

ट्रेन में अब बेडरोल में कंबल के साथ मिलेगा कवर

- जयपुर-असर्वा एक्सप्रेस के एसी पैसेंजर्स को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली/ जयपुर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार से राजस्थान के खातीपुरा जयपुर रेलवे स्टेशन पर जयपुर-असर्वा एक्सप्रेस के एसी क्लास पैसेंजर्स के लिए कंबल कवर की सुविधा शुरू की है। यह पायलट प्रोजेक्ट है, जो सफाई और हाइजीन सुधारने के लिए लाया गया है। सभी एसी कोच के यात्रियों को प्रिंटेड कंबल कवर मिलेंगे, ताकि गंदे कंबल और बदबू आने की शिकायत न मिले। रेल मंत्री ने कहा कि अगर यह सुविधा सफल रही तो पूरे देश में इसे लागू किया जाएगा। इससे पहले रेलवे ने जानकारी दी थी कि एसी कोच में बेडरोल में मिलने वाले कंबल को हर महीने धोया जाता है। पहले बेडरोल किट में एक्स्ट्रा बेडशीट दी जाती थी, जो क्विल्ट कवर की तरह इस्तेमाल होती थी।

सफाई को लेकर संशय रहता था: रेल मंत्री

रेल मंत्री ने कहा कि कंबल का इस्तेमाल सालों से हो रहा है, लेकिन सफाई को लेकर संशय था। इस संशय को दूर करने के लिए कंबल कवर की शुरुआत की गई है। यह प्रोजेक्ट जयपुर-असर्वा सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12981) पर चलेगा। ट्रेन जयपुर से असर्वा तक 11 घंटे 55 मिनट में पहुंचती है। जयपुर में रेल मंत्री ने अन्य सुविधाएं जैसे नए प्लेटफॉर्म और पैसेंजर इंफो सिस्टम की शुरुआत की। राजस्थान के जोधपुर, जयपुर, अजमेर और बीकानेर डिवीजनों में छोटे स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म हाइट बढ़ाई गई। साइनबोर्ड और इंफो सिस्टम भी लगाए गए। ट्रेन में एसी वन, टू और थ्री टियर कोच होते हैं।

पीएम ने आंध्र प्रदेश को दी 13, 430 करोड़ की सौगात

- कई परियोजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

कुर्नूल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आंध्र प्रदेश के दौरे पर हैं। वे यहां नांदयाल पहुंचे और श्रीशैलम में भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में दर्शन और पूजा की। इसके बाद प्रधानमंत्री ने श्रीशैलम में शिवाजी स्फूर्ति केंद्र पहुंचे और वहां भी पूजा-अर्चना की। इस दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू भी उनके साथ थे। इसके बाद प्रधानमंत्री ने कुर्नूल में 13,430 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री ने राज्य को दी इन परियोजनाओं की सौगात

प्रधानमंत्री ने कुरनूल-3 पूलिंग स्टेशन पर 2,880 करोड़ की ट्रांसमिशन सिस्टम स्ट्रेंथनिंग परियोजना की आधारशिला रखी। उन्होंने 4,920 करोड़ की लागत से बने ओरवकल औद्योगिक क्षेत्र व कडप्पा के कोप्परथी औद्योगिक क्षेत्र का शिलान्यास किया। इससे 21,000 करोड़ रुपये का निवेश और एक लाख नौकरियों मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री ने 1,200 करोड़ रुपये की लागत वाली कुछ रेलवे परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया। इसके अलावा उन्होंने गेल इंडिया की श्रीकाकुलम-अंगुल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का उद्घाटन भी किया।

आंध्र प्रदेश को दूरदर्शी नेतृत्व मिला: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य को अब वह विजनरी नेतृत्व मिल गया है, जिसकी उसे लंबे समय से जरूरत थी। आंध्र प्रदेश के पास आज चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण जैसे दूरदर्शी नेता हैं, जो राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। साथ ही केंद्र का सहयोग भी बना हुआ है। बीते 16 महीनों में आंध्र प्रदेश में विकास की गति तेज़ हुई है और 'डबल इंजन सरकार' के चलते राज्य में अभूतपूर्व प्रगति देखने को मिल रही है। प्रधानमंत्री ने सब्बावरम से शीलानगर तक 6 लेन वाले ग्रीनफील्ड राजमार्ग की आधारशिला भी रखी। इसकी लागत 960 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

अहमदाबाद प्लेन-क्रैश

पायलट सुमीत सभरवाल के पिता सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

- दायर की याचिका, कहा- जांच एजेंसी पर भरोसा नहीं, कोर्ट की निगरानी में जांच कराई जाए

अहमदाबाद। एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171 के क्रैश की जांच को लेकर पायलट के पिता पुष्कराज सभरवाल और इंडियन पायलट्स फेडरेशन ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में उन्होंने कहा कि एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) की जांच पर भरोसा खो चुका है और इसलिए वे स्वतंत्र जांच की मांग करते हैं।

कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग

याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट की निगरानी में जांच या कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी की मांग की है। उन्होंने आग्रह किया कि नई जांच टीम में स्वतंत्र स्पेशलिस्ट और एविएशन एक्सपर्ट शामिल हों। उनका कहना है कि इससे जांच पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी होगी।

AAIB की जांच पर भरोसा नहीं

याचिका में यह भी कहा गया कि AAIB की वर्तमान जांच पूरी तरह बंद कर दी जाए और सभी सबूत सुप्रीम कोर्ट की निगरानी वाली कमेटी को सौंप दिए जाएं। इससे जांच की विश्वसनीयता बढ़ेगी और पीड़ित परिवारों का भरोसा कायम रहेगा।

दिवाली के बाद सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर दिवाली के बाद सुनवाई करने का निर्णय लिया है। अदालत में सुनवाई के दौरान यह तय होगा कि फ्लाइट क्रैश की जांच किस तरह से पूरी की जाए और क्या स्वतंत्र टीम गठित की जाएगी। एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान, जो अहमदाबाद से लंदन जा रहा था, 12 जून को टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गया था। इस हादसे में 270 लोगों की जान गई थी। फ्लाइट के मुख्य पायलट सुमीत सभरवाल और को-पायलट क्लाइव कुंदर थे।AAIB की 12 जुलाई को आई प्रारंभिक रिपोर्ट में पायलट की गलती का जिक्र होने से परिवार और पायलट संगठनों में नाराजगी है। रिपोर्ट के मुताबिक, टेकऑफ के बाद फ्यूल कट-ऑफ स्विचेस को बंद कर दिया गया था, लेकिन कॉकपिट की ऑडियो से साफ नहीं हो रहा कि ऐसा क्यों हुआ। एक महीने पहले अहमदाबाद प्लेन क्रैश में मारे गए कैप्टन सुमीत सभरवाल के 91 साल के पिता पुष्कराज सभरवाल ने केंद्र सरकार से हादसे की नए सिरे से जांच की मांग की थी।

रिपोर्ट

स्टेट ऑफ वाइल्ड फायर्स रिपोर्ट 2024-25 में ये खुलासा

जंगलों की आग से देश में डेढ़ करोड़ लोगों का जीवन प्रभावित

एजेंसी । नई दिल्ली

स्टेट ऑफ वाइल्ड फायर्स रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार देश में वनों की आग से लगभग डेढ़ करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्य उत्तर प्रदेश रहा, जहां 46 लाख लोग आग से प्रभावित हुए। इसके बाद पंजाब का नंबर है, जहां 35 लाख लोग प्रभावित हुए। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि आग की घटनाओं के पीछे फसलों में आग और हीटवेव बड़ी वजह रही है।

वैश्विक परिदृश्य और प्रभावित क्षेत्र

रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में 2024-25 में करीब 37 लाख स्कवॉयर किलोमीटर भू-क्षेत्र आग में जलकर खाक हुआ। दक्षिण और दक्षिणपूर्व एशिया के साथ मध्य और पूर्वी अफ्रीका भी बुरी तरह प्रभावित हुए। कांगो में डेढ़ करोड़ लोग, जबकि नाइजीरिया, चीन, मोज़ाम्बिक और दक्षिणी सूडान में 50-50 लाख लोग आग से प्रभावित हुए।

कार्बन उत्सर्जन और इंसानी गतिविधियों की भूमिका

37 लाख स्कवॉयर किलोमीटर क्षेत्र में आग के कारण आठ अरब टन से अधिक कार्बनडाईऑक्साइड का उत्सर्जन हुआ, जो 2003 के औसत से 10 प्रतिशत अधिक है। दक्षिणी अमेरिका और कनाडा में वनों में आग की बड़ी वजह इंसानी गतिविधियां मानी गई हैं। प्रमुख शोधकर्ता डगलस कैले ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण वनों की आग और भीषण हो गई है और इसका दायरा तेजी से बढ़ रहा है।

प्रदूषण और स्वास्थ्य पर असर

आगजनी का सीधा असर वायु प्रदूषण पर पड़ा। दिल्ली में नवंबर 2024 में पीएम 2.5 दूषित कण डब्ल्यूएचओ के तय मानक से 13 गुना ज्यादा पाए गए। वैज्ञानिकों का कहना है कि हीटवेव और सूखे की वजह से आग और अधिक आक्रामक हो गई है, जिससे वनों में लगातार आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं।

आर्थिक नुकसान और संपत्ति का नुकसान

जंगलों में लगी आग के कारण दुनियाभर में 215 अरब डॉलर की संपत्ति जलकर खाक हो गई। इसमें घर और अन्य आधारभूत ढांचे शामिल हैं। भारत को आग से 44 अरब डॉलर, अमेरिका को 26 अरब डॉलर और चीन को 17 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।